मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 17 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल 3 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 303 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ तीजनबाई भारत की रत्न, सरकार करे पहल

सोनाक्षी-जहीर की लव स्टोरी का सबसे पहले सलमान खान को लगा था पता ◂◂ 6

बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन पर कोयला लदी मालगाड़ी में लगी आग,लोको पायलट की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

बोकारो: जिला में बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन पर गुरुवार देर रात कोयला लदी मालगाड़ी के एक वैगन में आग लगने से हड़कंप मच गया। हालांकि लोको पायलट की सतर्कता और रेलवे प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया। कुशमाही से चंद्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन (सीटीपीएस) जा रही मालगाड़ी के तीसरे वैगन से धुआं निकलने के बाद आग की लपटें दिखाई दीं।

शिफ्ट बदलने के समय मिली आग की जानकारीः रात करीब 11 बजे शिफ्ट बदलने के दौरान नए लोको पायलट ने इंजन नंबर 33397 और 33350 से जुड़ी मालगाड़ी की जांच की। इसी दौरान मालगाड़ी के वैगन से धुआं निकलता देखा गया। तुरंत इसकी सूचना स्टेशन मास्टर मिथिलेश कुमार यादव को दी गई, जिसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

सीआईएसएफ दमकल की टीम ने संभाला मोर्चा: मालगाड़ी में आग की सूचना मिलते ही डीवीसी पावर प्लांट बोकारो थर्मल यूनिट की सीआईएसएफ फायर टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते कार्रवाई होने से आग अन्य वैगनों तक नहीं फैल सकी।

कोयले की चिंगारी से आग लगने की आशंका: स्टेशन मास्टर मिथिलेश कुमार यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कोयले की लोडिंग के दौरान घर्षण या टकराव से निकली चिंगारी को आग लगने का संभावित कारण माना जा रहा है। घटना की जानकारी डीआरएम को भेज दी गई है।

सुरक्षा के मद्देनजर बदला गया रूट : आग नियंत्रित होने के बाद रेलवे ने एहतियात के तौर पर मालगाड़ी का रूट बदल दिया और उसे चंद्रपुरा थर्मल पावर स्टेशन की जगह कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन के लिए रवाना किया गया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सुरक्षित कोयला परिवहन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया।

डिमना लेक में डूबने से युवक की मौत, तीन घंटे बाद मिला शव

जमशेदपुर : शहर के सोनारी थाना क्षेत्र के कागलनगर के रहने वाले एक युवक की शुक्रवार सुबह डिमना लेक में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पियूष कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह अपने छोटे भाई के साथ घूमने के लिए डिमना लेक गया था।

जानकारी के अनुसार, डिमना लेक पहुंचने के बाद दोनों भाइयों ने पहले झील के किनारे तस्वीरें खिंचवाईं। इसके बाद पियूष नहाने के लिए पानी में उतर गया। नहाने के दौरान वह अनजाने में झील के गहरे हिस्से में पहुंच गया। गहराई अधिक होने के कारण वह पानी में डूबने लगा। छोटे भाई और आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वह देखते ही देखते गहरे पानी में डूब गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस को जानकारी दी। इसके

बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और झील में युवक की तलाश शुरू की। करीब तीन घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद टीम ने पियूष कुमार सिंह का शव पानी से बाहर निकाला।

हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन डिमना लेक पहुंच गए। घटना की सूचना मिलने पर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय भी घटनास्थल पर पहुंचे और अधिकारियों से पूरे मामले की जानकारी ली।

शव बरामद होने के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

इस हादसे के बाद एक बार फिर डिमना लेक में बिना सुरक्षा व्यवस्था और सावधानी के पानी में उतरने के खतरे को लेकर सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन लोगों से अपील करता रहा है कि गहरे पानी में न उतरें और सुरक्षा नियमों का पालन करें, ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

मुर्शिदाबाद : रेलवे क्रॉसिंग पर स्कूली वैन को पैसेंजर ट्रेन ने टक्कर मारी, दो बच्चे सहित तीन की मौत

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में स्थित एक रेलवे क्रॉसिंग पर बड़ा हादसा होने की सूचना है। जानकारी के अनुसार एक पैसेंजर ट्रेन ने वहां से क्रॉस कर रही एक स्कूली वैन को टक्कर मार दी। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार इस टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गयी, इनमें दो स्कूली बच्चे शामिल हैं।

खबर है कि स्कूली वैन रेलवे ट्रैक को पार करने की कोशिश कर रहा था। तभी ट्रेन आ गयी। उसकी टक्कर से उसके परखच्चे उड़ गये। दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गयी, गंभीर रूप से घायल तीन छात्रों और वैन के चालक को मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक पुलिस अधिकारी के चौंकाने वाली जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वहां से जब एक्सप्रेस ट्रेन गुजरी तब रेलवे क्रॉसिंग बंद था, लेकिन उसके तुरंत बाद गेट खोल दिया गया, जबकि वहां से एक पैसेंजर ट्रेन उसी समय गुजरने वाली थी। स्कूल वैन का चालक गेट खुला देखकर अपनी वैन पार कराने लगा। वैन के अलावा एक साइकिल सवार भी पटरी पार करने लगा।

अचानक तेज रफ्तार से निमतिया-कटवा लोकल ट्रेन पटरी पर आ गयी। उसके स्कूल वैन को जोरदार टक्कर मार दी, उसके परखच्चे उड़ गये बच्चे वैन के अंदर फंस कर रह गये। हादसे के बाद स्थानीय निवासियों ने रेलवे गेटमैन पर लापरवाही का आरोप लगाया

रेलवे की सिग्नल प्रणाली प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक्सप्रेस ट्रेन गुजरने के बाद गेटमैन ने फाटक खोल दिया था, जबकि एक पैसेंजर ट्रेन आने वाली थी। फाटक खुला देखकर वैन चालक को लगा कि रास्ता क्लीयर है। वह अपनी वैन को पटरियों पर से पार कराने लगा।तभी अचानक तेज रफ्तार से ट्रेन आ गयी।

गुजरात एटीएस का बड़ा एक्शन : जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 5 और संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, स्लीपर सेल नेटवर्क की जांच तेज

अहमदाबाद : गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (खीट) से कथित तौर पर जुड़े पांच और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इनकी गिरफ्तारी राज्य के विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान के दौरान की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल आबिद शेरा, मोहम्मद अयूब काडीवाल उर्फ मोहम्मद खड़ियासन, मोहम्मद शफी मुखी उर्फ शफी चापी, मोहम्मद हसन क। राडिया उर्फ हसन हैदरपुरी और मोहम्मद अयूब सुमासरा उर्फ मोहम्मद खली के रूप में हुई है। एटीएस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए इन पांचों संदिग्धों के तार पिछले महीने गिरफ्तार किए गए आठ अन्य आरोपियों से जुड़े पाए गए हैं। जांच एजेंसियां इनकी भूमिका और आपसी संपर्कों की गहन जांच कर रही हैं। गुजरात एटीएस का कहना है कि जैश-ए-मोहम्मद लंबे समय से गुजरात में अपना नेटवर्क और कथित स्लीपर सेल तैयार करने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या राज्य के कुछ लोगों को संगठन से जोड़कर उसकी गतिविधियों को विस्तार देने का प्रयास किया गया। एटीएस के पुलिस उपाधीक्षक हर्ष उपाध्याय ने बताया कि पहले गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिले इनपुट के आधार पर इन पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से मिले साक्ष्यों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जांच की जा रही है। गुजरात में पहले भी आतंकी गतिविधियों के मामले सामने आते रहे हैं। वर्ष 2008 में अहमदाबाद में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में 50 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। जांच एजेंसियां इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए राज्य में सक्रिय आतंकी नेटवर्क और संभावित स्लीपर सेल की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि गिरफ्तार संदिग्धों की भूमिका, नेटवर्क और संभावित साजिश का दायरा कितना व्यापक था।

देश को मिली पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन, पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जींदः भारतीय रेलवे ने हरित और आधुनिक परिवहन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार को देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन-पावर्ड यात्री ट्रेन को रवाना किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जहां हाइड्रोजन तकनीक से संचालित यात्री ट्रेनें चल रही हैं। इसके साथ ही हाइड्रोजन फ्यूल से चलने वाली ट्रेन शुरू करने वाला भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है। इससे पहले जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन में ही हाइड्रोजन ट्रेनें चल रही हैं।

यह ट्रेन जींद और सोनीपत के बीच लगभग 89 किलोमीटर लंबे रूट पर चलेगी। रेलवे के अनुसार, यह परियोजना भारतीय रेलवे की सबसे महत्वाकांक्षी हरित परिवहन योजनाओं में से एक है।

यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल

तकनीक के जरिए बिजली पैदा कर संचालित होती है। इसमें डीजल की आवश्यकता नहीं होती और संचालन के दौरान केवल भाप और गर्मी उत्सर्जित होती है। इस वजह से कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य रहता है, जिससे यह पर्यावरण के लिए बेहद अनुकूल मानी जा रही है।

नई हाइड्रोजन ट्रेन में 3200 हॉर्सपावर का प्रोपल्शन सिस्टम लगाया गया है। इसकी सामान्य परिचालन गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है, जबकि अधिकतम गति 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है।

यह 10 कोच वाला ट्रेनसेट है, जिसमें एक साथ करीब 2600 यात्री सफर कर सकेंगे। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि कई देशों में अभी दो से चार कोच वाली हाइड्रोजन ट्रेनें संचालित हो रही हैं, जबकि भारत ने सीधे 10 कोच वाला ट्रेनसेट तैयार कर बड़ा कदम उठाया है।

रेलवे ने ट्रेन में अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण लगाए हैं, जिनमें हाइड्रोजन लीक डिटेक्टर, फ्लेम डिटेक्टर और ऑटोमैटिक शट-ऑफ सिस्टम शामिल हैं। यदि किसी भी प्रकार की तकनीकी गड़बड़ी या गैस रिसाव का पता चलता है, तो सिस्टम स्वतः हाइड्रोजन की आपूर्ति बंद कर देगा। रेलवे ने आम यात्रियों को ध्यान में रखते हुए किराया बेहद किफायती रखा है। न्यूनतम किराया 5 रुपये और अधिकतम 25 रुपये निर्धारित किया गया है। गाड़ी संख्या 74010 सुबह 7:40 बजे जींद से रवाना होकर 9:40 बजे सोनीपत पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 74009 सुबह 10:40 बजे सोनीपत से चलेगी और दोपहर 1:00 बजे जींद पहुंचेगी। भारतीय रेलवे इस परियोजना से मिले अनुभव का उपयोग भविष्य में कालका-शिमला जैसे हेरिटेज रूटों पर हाइड्रोजन तकनीक लागू करने के लिए करेगा। रेलवे का कहना है

रांची समेत राज्य के सभी पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी, बम स्क्वॉड टीम मौके पर

रांचीः राजधानी रांची के गैलेक्सियां मॉल में स्थित पासपोर्ट ऑफिस समेत पूरे झारखंड में जितने भी पासपोर्ट ऑफिस हैं उसे मेल करके बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

बता दें कि इससे पहले भी कई बार पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिसमें कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था, मगर एक बार मेल के जरिए धमकी दी गई।

धमकी मिलने के बाद सुखदेव नगर थाना के अधिकारी और बम स्क्वाड के लोग पहुंच कर पूरी बिल्डिंग में मौजूद दुकानों की जांच की। जांच में फिलहाल अभी कुछ संदिग्ध नहीं मिला है, लगातार बॉम्ब स्क्वाड टीम के द्वारा छानबीन जारी है। जीमेल के द्वारा दी गई धमकी को साइबर टीम के पास भेज दिया गया और जिससे धमकी देने वाले का पता लगाया जा सके।

म्यांमार तट के पास दो नाव लापता, 500 से अधिक लोगों के डूबने की आशंका, अधिकांश रोहिंग्या शरणार्थी

रखाइन : म्यांमार के तट के पास खराब मौसम के बीच दो नावों के लापता होने से 500 से अधिक लोगों के समुद्र में डूबने की आशंका जताई गई है। संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों–अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) और संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर)–ने संयुक्त बयान जारी कर इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। लापता लोगों में अधिकांश रोहिंग्या शरणार्थी बताए जा रहे हैं। संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों नावें जून के अंतिम सप्ताह में म्यांमार के पश्चिमी रखाइन राज्य से रवाना हुई थीं। एजेंसियों के मुताबिक, पहली नाव में करीब 250 लोग सवार थे। यह नाव रखाइन से निकलने के कुछ ही समय बाद लापता हो गई और उसके बाद उससे कोई संपर्क नहीं हो सका। दूसरी नाव में लगभग 280 लोग सवार थे। आशंका है कि यह नाव 8 जुलाई को म्यांमार के अयेयारवाडी (इरावदी) तट के पास खराब मौसम के कारण डूब गई। आईओएम और यूएनएचसीआर ने कहा कि इन घटनाओं और संभावित मृतकों की संख्या की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने की खबर बेहद चिंताजनक है और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। आमतौर पर रोहिंग्या समुदाय मानसून के मौसम में समुद्री यात्रा से बचता है, क्योंकि इस दौरान समुद्र में तेज तूफान और ऊंची लहरों का खतरा रहता है। लेकिन म्यांमार में जारी हिंसा और बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में भीड़भाड़ तथा खराब परिस्थितियों के कारण कई लोग जोखिम उठाकर समुद्र के रास्ते पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

कोर्ट नहीं पहुंचा भारत, फिर भी भरना पड़ रहा उसका खर्च

सिंधु जल विवाद में पाकिस्तान पर बढ़ा करोड़ों का बोझ

नई दिल्ली : सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जारी विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार चर्चा का कारण अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की वह प्रक्रिया है, जिसमें भारत की अनुपस्थिति के बावजूद पाकिस्तान को न केवल अपना, बल्कि भारत के हिस्से का खर्च भी वहन करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक पाकिस्तान इस प्रक्रिया पर 6 लाख डॉलर (करीब 5 177 करोड़ रुपये) से अधिक खर्च कर चुका है।

कैसे शुरू हुआ विवाद? : सिंधु जल संधि वर्ष 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी, जिसके तहत दोनों देशों के बीच सिंधु नदी प्रणाली के जल

बंटवारे के नियम तय किए गए। विवाद की शुरूआत 2016 में हुई, जब भारत ने जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा जलविद्युत परियोजना पर काम तेज किया और चिनाब नदी पर रैटल हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की घोषणा की। पाकिस्तान ने इन परियोजनाओं के डिजाइन पर आपत्ति जताते हुए दावा किया कि वे संधि के प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं।

भारत का रुख था कि ऐसे तकनीकी विवाद का समाधान संधि के तहत नियुक्त न्यूट्रल एक्सपर्ट के जरिए होना चाहिए, जबकि पाकिस्तान ने मामला सीधे पमार्नेंट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) में पहुंचा दिया। इसके बाद दोनों प्रक्रियाएं समानांतर रूप से चलने लगीं, जिसका भारत ने लगातार विरोध किया।

भारत ने क्यों बनाया दूरी? : भारत का कहना है कि एक ही विवाद पर दो समानांतर प्रक्रियाएं नहीं चल सकतीं और पीसीए को इस मामले की सुनवाई का अधिकार नहीं है। इसी वजह से भारत ने 2023 से पीसीए की कार्यवाही में हिस्सा लेना बंद कर दिया।

इसके बाद 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने का फैसला किया और न्यूट्रल एक्सपर्ट की प्रक्रिया से भी दूरी बना ली। भारत का स्पष्ट रुख है कि वह फिलहाल इस विवाद से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रक्रियाओं में शामिल नहीं होगा।

पाकिस्तान क्यों उठा रहा भारत का खर्च? : भारत के बहिष्कार के बावजूद पाकिस्तान ने पीसीए में सुनवाई जारी रखी। जून 2025 में अदालत ने खुद को इस मामले की सुनवाई के लिए सक्षम बताया और कहा कि सिंधु जल संधि को एकतरफा स्थगित नहीं किया जा सकता। इसके बाद भी भारत ने किसी भी सुनवाई में भाग नहीं लिया।

अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की कार्यवाही का खर्च सामान्यतः दोनों पक्षों द्वारा साझा किया जाता है। लेकिन भारत की गैरमौजूदगी और फीस जमा नहीं करने के कारण पाकिस्तान को पूरी प्रक्रिया का खर्च उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अब तक पाकिस्तान 6 लाख डॉलर से अधिक खर्च कर चुका है, जिसमें भारत के हिस्से का भुगतान भी शामिल है। भारत का कहना है कि वह ढउअ की वैधता को स्वीकार नहीं करता, जबकि पाकिस्तान इस मंच के जरिए अपने दावों को आगे बढ़ाने में जुटा है। ऐसे में सिंधु जल संधि को लेकर दोनों देशों के बीच कानूनी और कूटनीतिक टकराव अभी जारी रहने के संकेत हैं।

भक्ति और आस्था के बीच निकली भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, हजारों श्रद्धालुओं ने खींचा रथ

संवाददाता

खूंटी : 94वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) परिसर, खूंटी से गुरुवार को भगवान श्रीजगन्नाथ की भव्य रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में निकाली गई। भगवान श्रीजगन्नाथ, बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा की दिव्य झांकी के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जय जगन्नाथ के गगनभेदी जयघोष, हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन तथा शंख-घंटों की मंगलध्वनि से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा।

सनातन परंपरा के अनुसार आयोजित इस वार्षिक रथयात्रा का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे वैदिक मंत्रोच्चार, विशेष पूजन एवं महाआरती के साथ हुआ। इसके बाद 11:30 बजे महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। शाम 4:30 बजे आकर्षक ढंग से सुसज्जित रथ पर भगवान श्रीजगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा को विराजमान कर विधिवत रथयात्रा प्रारंभ की गई। जैसे ही रथ आगे बढ़ा, श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर नाचते-गाते रथ के साथ चल पड़े। महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ भगवान के रथ की रस्सी खींचकर स्वयं को सौभाग्यशाली माना। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक रथ की रस्सी खींचने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है और भगवान अपने भक्तों पर सुख, समृद्धि एवं आरोग्य की कृपा बरसाते हैं। रथयात्रा 94वीं वाहिनी सीआरपीएफ परिसर से प्रारंभ होकर खूंटी नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए सार्वजनिक दुर्गा मंदिर, मिश्रा टोली स्थित मौसी बाड़ी पहुँची। परंपरा के अनुसार भगवान श्रीजगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा अगले सात दिनों तक मौसी बाड़ी में विश्राम करेंगे। इस दौरान श्रद्धालु प्रतिदिन भगवान के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सकेंगे। निर्धारित तिथि पर बहुदा यात्रा (वापसी रथयात्रा) के माध्यम से भगवान पुनः अपने मंदिर लौटेंगे।

रथयात्रा का धार्मिक महत्वः भगवान श्रीजगन्नाथ की रथयात्रा हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण उत्सवों में से एक मानी जाती है। इसकी परंपरा ओडिशा के पुरी धाम से जुड़ी है, जहां विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा का आयोजन होता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच निकलकर सभी को दर्शन देते हैं। जो श्रद्धालु भक्ति भाव से रथयात्रा में सम्मिलित होते हैं या भगवान के रथ की रस्सी खींचते हैं, उन्हें विशेष पुण्य एवं भगवान की कृपा प्राप्त होती है। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा, अनुशासन और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। सीआरपीएफ के जवानों, आयोजन समिति एवं स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर प्रबंधन किया। भक्ति, आस्था और सामाजिक समरसता का यह अद्भुत संगम खूंटी नगर के लिए एक अविस्मरणीय धार्मिक उत्सव बन गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन कर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।

चतरा में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

चतरा : शहर में गुरुवार को आस्था भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला जब भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई चतरा के पथलदास मंदिर परिसर से पूरे विधि विधान के साथ भगवान जगन्नाथ भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा प्रारंभ हुई रथ यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए आगे बढ़ी जहां जिले के विभिन्न इलाकों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए श्रद्धालुओं ने रथ की रस्सी खींचकर अपने परिवार समाज और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे मार्ग में जय जगन्नाथ के जयघोष भजन कीर्तन और भक्तिमय माहौल से शहर गुंजायमान रहा महिलाएं पुरुष युवा और बच्चे सभी ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इस पावन यात्रा में भाग लिया जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान का स्वागत कर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया।धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्री जगन्नाथ को भगवान श्रीकृष्ण का दिव्य स्वरूप माना जाता है। रथ यात्रा के दौरान भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं और उन्हें दर्शन देकर उनका कल्याण करते हैं चतरा में आयोजित यह रथ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि वर्षों पुरानी आस्था संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक है श्रद्धालुओं ने भगवान से जिले राज्य और देश में सुख शांति और समृद्धि की कामना की।

न्यूज IN ब्रीफ

108 एंबुलेंस सेवा में बड़ा बदलाव, अब सदर अस्पताल से होगा संचालन

रांची : झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बड़ा फैसला लिया है। अब 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन सीधे जिला सदर अस्पतालों से किया जाएगा। इस पूरी व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित जिले के सिविल सर्जन के पास होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 108 एंबुलेंस सेवा चला रही मौजूदा एजेंसियों का काम संतोषजनक नहीं है। जिन एजेंसियों ने काम लेने के बाद भी अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से नहीं निभाई, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसी लापरवाही से मरीजों को परेशानी होती है और सरकार की छवि भी प्रभावित होती है।

इरफान ने बताया कि जब तक नई एजेंसी का चयन नहीं हो जाता और नई एंबुलेंस की खरीद पूरी नहीं हो जाती, तब तक यह अंतरिम व्यवस्था लागू रहेगी। नई एंबुलेंस खरीदने के लिए टेंडर प्रक्रिया पहले से चल रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 108 सेवा की सभी एंबुलेंस, चाहे वे चलने की स्थिति में हों या खराब, उन्हें संबंधित सदर अस्पताल में जमा कराया जाए।

इसके बाद सिविल सर्जन उनकी देखरेख में सेवा का संचालन सुनिश्चित करेंगे। इस व्यवस्था को अंतिम रूप देने के लिए 21 जुलाई को पांच सदस्यीय समिति की बैठक होगी। बैठक में आगे की प्रक्रिया और संचालन से जुड़े अंतिम निर्णय लिए जाएंगे।

कांवरियों की सुविधा के लिए रांची से भागलपुर के बीच चलेंगी 2 जोड़ी स्पेशल ट्रेन

रांची : श्रावणी मेले के दौरान ट्रेनों में होने वाली अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची रेल मंडल ने यात्रियों और कांवरियों की सुविधा के लिए 2 जोड़ी श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने की घोषणा की है।

यह ट्रेनें अलग-अलग रूटों (वाया राजाबेड़ा और वाया बरकाकाना) से होकर चलेंगी, जिससे सुल्तानगंज जाने वाले श्रद्धालुओं को सीधे कनेक्टिविटी मिल सकेगी। रेलवे प्रशासन के अनुसार दोनों ट्रेनें 14-14 फेरे (ट्रिप) लगाएंगी, जिससे देवघर और सुल्तानगंज जाने वाले रेल यात्रियों को आरामदायक सफर मिल सकेगा।

पहली स्पेशल ट्रेन संख्या 08690 रांची-भागलपुर-रांची (वाया राजाबेड़ा) द्वि-साप्ताहिक श्रावणी मेला स्पेशल होगी। 26 जुलाई से 9 सितंबर तक प्रत्येक रविवार और बुधवार को रांची से शाम 17:40 बजे प्रस्थान करेगी। यह मुरी, बोकारो स्टील सिटी, हजारीबाग रोड, कोडरमा, नवादा, किउल और सुल्तानगंज होते हुए अगले दिन सुबह 06:30 बजे भागलपुर पहुंचेगी।

वापसी में ट्रेन संख्या 08689 भागलपुर-रांची स्पेशल 27 जुलाई से 10 सितंबर तक प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को भागलपुर से सुबह 09:10 बजे खुलकर रात 22:20 बजे रांची पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे, जिनमें सामान्य श्रेणी के 6, स्लीपर के 7, एसी 3-टियर का 1 और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं।

दूसरी स्पेशल ट्रेन संख्या 08646 रांची-भागलपुर स्पेशल 27 जुलाई से 11 सितंबर 2026 तक प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को रांची से शाम 17:30 बजे रवाना होगी। यह बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा, किउल और सुल्तानगंज के रास्ते सुबह 06:30 बजे भागलपुर पहुंचेगी।

वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 08645 भागलपुर-रांची स्पेशल 28 जुलाई से 12 सितंबर तक हर मंगलवार और शनिवार को भागलपुर से सुबह 09:10 बजे चलकर रात 21:40 बजे रांची वापस आएगी। इस ट्रेन में कुल 20 कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 13 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी, 1 एसी 3-टियर और 2 एसएलआरडी कोच शामिल रहेंगे।

पिस्टल दिखाकर लूट करने वाले गैंग का पदार्फाश, 4 आरोपी गिरफ्तार

बुंडू : दशम फॉल थाना पुलिस ने पिस्टल के बल पर लूटपाट करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई अपाची मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, वारदात में प्रयुक्त एक पिस्टल तथा दो अन्य मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। जानकारी के अनुसार, बुधवार को दशम फॉल थाना क्षेत्र के आराडीह पंचायत स्थित चुड़गी गांव के पास चार अज्ञात अपराधियों ने हथियार का भय दिखाकर एक युवक से उसकी अपाची मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन लूट लिया था। घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज चार घंटे के भीतर कांड में शामिल चारों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने इस लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। साथ ही उन्होंने यह भी कबूल किया कि इससे पहले तमाड़ थाना क्षेत्र में भी पिस्टल का भय दिखाकर लोगों से नकदी और सैमसंग गैलेक्सी एंड्रॉयड मोबाइल लूटने की घटनाओं को अंजाम दिया था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर लूटी गई अपाची मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन बरामद कर लिया। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल किया गया एक पिस्टल और दो अन्य मोटरसाइकिल भी जब्त की गई हैं। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार अभियुक्तों से गहन पूछताछ की जा रही है। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की जांच जारी है और विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि गिरोह के अन्य सदस्य और किन-किन घटनाओं में शामिल रहे हैं।

सिरमटोली कनेक्टिंग फ्लाइओवर का डिजाइन बदला, सरना स्थल के सामने अब नहीं लगाया जायेगा पिलर

संवाददाता

रांची : सिरमटोली कनेक्टिंग फ्लाइओवर के डिजाइन में बदलाव किया गया है। सिरमटोली सरना स्थल के ठीक सामने अब पिलर नहीं लगाया जायेगा। पिलर लगाने से बचने के लिए नये सिस्टम से यहां पर फ्लाइओवर बनेगा। सरना स्थल के सामने सर्विस रोड के ऊपर कंपोजिट स्टील गर्डर लगाया जायेगा। इससे होकर ही गाड़ियां चलेंगी। अब सरना स्थल की चहारदीवारी के हिस्से में किसी तरह की पाइलिंग नहीं की जायेगी और न ही पिलर किया जायेगा। दोनों ओर बाउंड्री के बाद पिलर होगा और इन दोनों पिलरों के बीच स्टील गर्डर लगाया जायेगा। यह प्रयास किया जा रहा है कि सरना स्थल के सामने का हिस्सा प्रभावित नहीं हो। 55 मीटर लंबा होगा स्टील गर्डरः नये डिजाइन के मुताबिक यहां पर कुल 55 मीटर लंबा स्टील गर्डर लगाना है। पहले सरना स्थल की बाउंड्री की नापी की गयी। फिर नये डिजाइन में बाउंड्री की दोनों ओर पांच-पांच मीटर अधिक दूरी तक गर्डर लगाने का प्रावधान किया गया। स्टील गर्डर को विशेष रूप से बाहर से मंगाया जा रहा है। आइआइटी मुंबई के विशेषज्ञ ने की मददः सरना स्थल के सामने पिलर का प्रावधान न हो और नया तथा उपयुक्त डिजाइन हो, इसे लेकर विशेषज्ञ इंजीनियरों ने तीन से चार बार स्थल की जांच की। पथ निर्माण विभाग के इंजीनियरों ने भी कई बार स्थल का जायजा लिया। यहां तक कि आइआइटी मुंबई के विशेषज्ञ भी यहां दो बार पहुंचे। इसमें उनका सहयोग लिया गया, फिर कंपोजिट स्टील गर्डर लगाने का विकल्प तय किया गया। क्या है कनेक्टिंग फ्लाइओवरः सिरमटोली और कांटाटोली फ्लाइओवर को जोड़ने के लिए पथ निर्माण विभाग की ओर से कनेक्टिंग फ्लाइओवर बनाया जा रहा है। दोनों फ्लाइओवर के बिल्कुल किनारे से कैंटीलिवर ब्रिज बना कर इसे जोड़ा जायेगा। इस तरह यहां चार कैंटीलिवर ब्रिज बनने हैं। सरना स्थल की ओर से भी कैंटीलिवर ब्रिज बनना था, जिसके लिए हेवी पिलर की आवश्यकता होती है।

रास्ता विवाद ने लिया हिंसक रूप

दो पक्षों में जमकर मारपीट पांच घायल, गयाजी रेफर

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत तरवागड़ा पंचायत के परसिया गांव में वर्षों से चले आ रहे रास्ता विवाद ने बुधवार की देर शाम करीब 7 बजे हिंसक रूप ले लिया। रास्ते के अधिकार को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे और हाथापाई में कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।स्थानीय लोगों की सूचना पर सभी घायलों को तत्काल हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार परसिया गांव निवासी गनौरी यादव एवं धनंजय सिंह के बीच रास्ते को लेकर कई वर्षों से विवाद चला आ रहा है। इस मामले को लेकर गनौरी यादव ने पूर्व में अंचल कार्यालय में आवेदन देकर रास्ते का स्थायी समाधान कराने की मांग की थी। तत्कालीन अंचल अधिकारी रितिक कुमार ने दोनों पक्षों को संबंधित भूमि एवं रास्ते से जुड़े दस्तावेज अंचल कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया था, ताकि जांच के बाद उचित निर्णय लिया जा सके।बताया जाता है कि करीब तीन दिन पहले भी इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और विवाद हुआ था। उस समय दोनों पक्षों ने हंटरगंज थाना में अलग-अलग आवेदन देकर एक-दूसरे पर आरोप लगाए थे। पुलिस ने आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। हालांकि जांच पूरी होने से पहले ही बुधवार को विवाद फिर से भड़क उठा और मारपीट की घटना हो गई।मारपीट में एक पक्ष से पंकज कुमार यादव (31 वर्ष), शांति देवी (53 वर्ष) एवं सुजीत कुमार यादव (19 वर्ष) घायल हुए हैं। वहीं दूसरे पक्ष से अक्षय कुमार सिंह (26 वर्ष) एवं गौरव राज (26 वर्ष) घायल बताए गए हैं।घटना की सूचना मिलने के बाद हंटरगंज थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर घटना के कारणों की पड़ताल कर रही है। गांव में किसी प्रकार का तनाव न फैले, इसके लिए पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि रास्ता विवाद का समय रहते प्रशासनिक स्तर पर स्थायी समाधान कर दिया जाता, तो इस तरह की हिंसक घटना से बचा जा सकता था। अब लोग प्रशासन से विवादित रास्ते की निष्पक्ष जांच कर जल्द समाधान निकालने की मांग कर रहे हैं। इधर थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने कहा कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर ली गई है।

ट्रिपल आईटी परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान पर पौधरोपण

रांची : भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) रांची में भारत सरकार के एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत गुरुवार को व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ ही संस्थान के परिसर स्थित विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रो राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने की प्रेरणादायक पहल है। उन्होंने कहा कि ट्रिपल आईटी रांची समय-समय पर ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो तथा समाज को भी हरित भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरणा मिले।कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक प्रो राजीव श्रीवास्तव ने पौधारोपण कर किया। इसके बाद सभी प्रतिभागियों ने पौधे लगाए और उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर परिसर को अधिक हरित एवं स्वच्छ बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर विशेष बल दिया गया।

एसएसबी में दो दिवसीय अंतर बटालियन खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता

चतरा : 35वें बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) चतरा परिसर में गुरुवार से दो दिवसीय अंतर बटालियन खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। 16 एवं 17 जुलाई तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता का उद्घाटन बटालियन के कमांडेंट संजीव कुमार के निर्देशन में किया गया।प्रतियोगिता में क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी, गया के अधीन आने वाली 16वीं, 26वीं, 29वीं, 32वीं एवं 35वीं बटालियन के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। उद्घाटन अवसर पर अधिकारियों ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उन्हें खेल भावना,अनुशासन और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि मानसिक मजबूती,अनुशासन और टीम भावना का भी विकास करते हैं। उन्होंने उपस्थित जवानों एवं खिलाड़ियों से नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने की अपील की।प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह और जोश देखने को मिला। दो दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में विभिन्न बटालियनों के बीच रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद जताई जा रही है।

रविन्द्र मुण्डा हत्याकांड: फरार चल रहा मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के बेड़ो थाना क्षेत्र में हुए चर्चित रविन्द्र मुण्डा हत्याकांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान विकाश मुण्डा 26 वर्ष, पिता सोमरा मुण्डा उर्फ लेटी मुण्डा, निवासी सुवार टोली, थाना बेड़ो के रूप में हुई है। उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त एक देशी पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 9 जुलाई 2026 को मधुपुर अखड़ा के पास रविन्द्र मुण्डा 26 वर्ष, निवासी घाघरा बरटोली की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में बेड़ो थाना कांड संख्या 76/26 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के मार्गदर्शन में बेड़ो के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दहशत फैलाने के दौरान हुआ विवाद, मार दी गोलीः पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह इलाके में दहशत फैलाने के उद्देश्य से हवाई फायरिंग करना चाहता था। इसी दौरान रविन्द्र मुण्डा ने उसे ऐसा करने से रोका, जिससे दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने रविन्द्र मुण्डा को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

दो आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेलः पुलिस ने बताया कि इस मामले में शामिल दो अन्य आरोपी विकाश महतो और विजय मुण्डा को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। मामले में अन्य पहलुओं की जांच अभी जारी है।

आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा हैः गिरफ्तार आरोपी विकाश मुण्डा के खिलाफ पहले से भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं। वर्ष 2017 में उसके खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। वहीं वर्ष 2023 में हत्या के एक अन्य मामले में भी उसका नाम सामने आया था।

बरामद सामान : एक देशी पिस्टल,तीन राउंड जिंदा कारतूस।

बाबूलाल ने लगाया सखुवा का पौधा

रांचीः मोरहाबादी तेतर टोली के दरहा भूताही पूजा स्थल में पौधरोपण कार्यक्रम के तहत नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सखुवा का पौधा लगाया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, डिप्टी मेयर नीरज, महामंत्री जितेंद्र वर्मा, प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश सिंह, समाजसेवी बलकु उराव सहित कई गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे।

विद्यालय की छवि खराब करने पर आमादा हैं कुछ असामाजिक तत्व : प्रभारी प्राचार्य

- विवेकानंद विद्या मंदिर के समक्ष कुछ लोगों ने किया मौन प्रदर्शन
- ये लोग स्कूल में पढ़ने वाले किसी भी बच्चे के अभिभावक नहीं थे

मेट्रो रेज

रांचीः एचईसी परिसर स्थित विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल(सेक्टर टू) के समक्ष विद्यालय प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों ने गुरुवार को मौन प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाले अपने हाथों में प्रबंधन विरोधी नारे लिखे हुए तख्तियां लिए खड़े थे।

विद्यालय प्रबंधन के मुताबिक जो लोग मौन प्रदर्शन में शामिल थे, उनमें एक भी विवेकानंद विद्या मंदिर में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावक नहीं थे।

मौन प्रदर्शन में खड़े जिन लोगों के हाथों में तख्तियां थीं, उनमें कमलेश सिंह, ब्रजेश सिंह (एक ठेकेदार राजेश सिंह के भाई), बिरसा चौक-हटिया स्टेशन रोड स्थित एक मेडिकल शॉप (मुन्ना मेडिकल हॉल) के संचालक सहित अन्य लोग शामिल थे।

अब सवाल यह उठता है कि विवेकानंद विद्या मंदिर प्रबंधन के विरुद्ध मनमानी का आरोप लगाने वाले वास्तव में स्कूल के अभिभावक नहीं थे, तो फिर कुछ लोगों द्वारा विद्यालय की छवि बेवजह खराब करने की कोशिश किसके इशारे पर और क्यों की गई?

बहरहाल, इसका जवाब तो विद्यालय प्रबंधन और मौन प्रदर्शन में शामिल लोग ही दे सकते हैं।

इस संदर्भ में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अमिताभ लाहा द्वारा जारी किए गए एक पत्र का अवलोकन करें। श्री लाहा ने एक दिन पूर्व (15 जुलाई) बुधवार को एक सूचना जारी कर अभिभावकों को आगाह किया कि कुछ असामाजिक तत्व विद्यालय विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं और इसे लेकर विद्यालय के समक्ष मौन प्रदर्शन करने के लिए एक संदेश संप्रेषित किया गया है। श्री लाहा ने स्पष्ट उल्लेख किया कि विद्यालय प्रबंधन कोई मनमानी नहीं कर रहा है। विद्यालय सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं बरती जा रही है। कुछ मुट्ठी भर लोग अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए विद्यालय की छवि बिगाड़ने पर आमादा हैं। ऐसे तत्वों का मकसद पूरा न हो, इसलिए उन्होंने लिखित सूचना जारी कर अभिभावकों से उक्त मौन प्रदर्शन में शामिल न होने की अपील की। श्री लाहा ने जगन्नाथपुर थाना को भी इस संबंध में सूचित किया।

इधर, विद्यालय प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार कमलेश सिंह का एक बच्चा वहां पढ़ता था। जिसका लगभग एक साल से शिक्षण शुल्क बकाया था। इस वजह से उनके बच्चे का अगली कक्षा में नामांकन नहीं लिया गया। इस कारण पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर कमलेश सिंह द्वारा विद्यालय विरोधी गतिविधियों में शामिल होकर मौन प्रदर्शन किया गया। विवेकानंद विद्या मंदिर के प्रभारी प्राचार्य अमिताभ लाहा ने अभिभावकों से ऐसे असामाजिक तत्वों और विद्यालय विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों का सहयोग न करने की अपील की है।

कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटी का मामला

वॉन्डर अर्थ ने सुलझाई ग्राहक की समस्या

मेट्रो रेज

रांचीः ग्राहक देवो भव यानी ग्राहक देवता तुल्य होते हैं। व्यापार में ग्राहकों की संतुष्टि सर्वोपरि है। इसे शत-प्रतिशत चरितार्थ किया है राजधानी रांची के तुपुदाना (खूंटी रोड) स्थित कोमाकी इलेक्ट्रिक व्हीकल डिवीजन के अधिकृत बिक्रेता वॉन्डर अर्थ के व्यवस्थापक सतीश कुमार ने। श्री कुमार विगत लगभग चार वर्षों से कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटी, बाइक व मोपेड आदि की बिक्री कर रहे हैं। उनके द्वारा उपलब्ध कराई जा रही उत्कृष्ट सेवाओं के कारण 'वॉन्डर अर्थ' कोमाकी स्कूटी के ग्राहकों की पहली पसंद बन गई है।

गत दिनों एक परेशान ग्राहक की समस्या को उन्होंने अपने स्तर से सुलझाया। इस वजह से वह ग्राहकों की प्रशंसा के पात्र बन गए हैं।

जानकारी के मुताबिक उन्होंने कोमाकी स्कूटी के एक अन्य डिस्ट्रीब्यूटर द्वारा बिक्री किए गए स्कूटी में उत्पन्न खराबी को अपने स्तर से दूर कर कंपनी के इमेज को प्रभावित होने से बचाया।

इस संबंध में बताया गया कि रांची के मेन रोड स्थित कोमाकी के एक डिस्ट्रीब्यूटर चूज एंड यूज से एक ग्राहक ने गत 8 जून को स्कूटी खरीदी थी। अगले ही दिन यानी 9 जून को बैटरी में खराबी आ गई नतीजतन स्कूटी बंद हो गई। उन्होंने इसकी शिकायत चूज एंड यूज के प्रोपराइटर से की। चार-पांच दिनों के बाद चूज एंड यूज की संचालिका स्वयं ग्राहक के घर आईं और बैटरी खोल कर ले गई। ग्राहक द्वारा बार-बार आग्रह किए जाने के बाद भी उसने ग्राहक को बैटरी उपलब्ध नहीं कराया। जिसके कारण एक महीने तक स्कूटी बंद पड़ी रही।

ग्राहक द्वारा कानूनी कार्रवाई के लिए आगे बढ़ने संबंधी नोटिस दिए जाने के बाद उन्हें दूसरी नई बैटरी दे दी, लेकिन बैटरी को स्कूटी में असेंबल नहीं करवाया। ग्राहक ने इस पीड़ा को कोमाकी इलेक्ट्रिक व्हीकल डिवीजन के अधिकृत बिक्रेता वॉन्डर अर्थ के व्यवस्थापक सतीश कुमार से साझा किया। सतीश कुमार ने ग्राहक को हर संभव सहयोग करने को आश्वस्त किया। उक्त ग्राहक के आवास पर अपने मैकेनिक को भेज कर स्कूटी में बैटरी असेंबल करवाया और स्कूटी अपने प्रतिष्ठान में मंगवाकर उसमें अन्य आवश्यक एसेसरीज भी अपने स्तर से लगवा दिया। कोमाकी स्कूटी में साइड गार्ड स्टील का असेंबल किया हुआ आता है, जबकि चूज एंड यूज की प्रोपराइटर ने इसके लिए अलग से पैसे की मांग की। वहीं, वॉन्डर अर्थ के संचालक ने इसे अपने स्तर से निःशुल्क उपलब्ध करा दिया। ऐसा कर उन्होंने ग्राहक सेवा की एक बेहतरीन मिसाल पेश की।

इस संदर्भ में हेहल के सुंदर नगर निवासी कोमाकी स्कूटी के एक ग्राहक ई।अरुण कुमार सिंह ने कहा कि विगत लगभग तीन वर्षों से स्कूटी यूज कर रहे हैं। ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा उपलब्ध कराने में वॉन्डर अर्थ की भूमिका सराहनीय है। सतीश कुमार ने ग्राहक सेवा की एक अद्भुत मिसाल पेश की है। इससे ग्राहकों के बीच कंपनी की बेहतर छवि भी बनी है। उन्होंने कहा कि यदि कोमाकी इलेक्ट्रिक स्कूटी लेना हो तो वॉन्डर अर्थ से लें। यहां ग्राहकों को आफ्टर सेल सर्विस की बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध है। ई।श्री सिंह ने कहा कि कंपनी की साख पर आंच न आए,इस दिशा में 'वॉन्डर अर्थ' की प्रतिबद्धता सराहनीय है।

नामकुम अंचल से दस्तावेज गायब होने के मामले में सरकार ने एसीबी जांच की दी अनुमति

मेट्रो रेज

रांचीः नामकुम इलाके में हुई भूमि की खरीद-बिक्री और अंचल के दस्तावेजों में हेरफेर की जांच एसीबीने शुरू कर दी है और इस मामले में अधिकारियो के विरुद्ध पीई (प्रारंभिक जांच) की अनुमति राज्य सरकार ने दे दी है। शुक्रवार को यह जानकारी अउइ की ओर से हाईकोर्ट को दी गई है। इस मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले थोमस साइमन साइरिल हंस की याचिका पर शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इससे पहले अंचल के अधिकारीयों के विरुद्ध प्रारंभिक जांच कर ली गई है।

जस्टिस राजेश शंकर ने मामले की सुनवाई कीः दरअसल, 4 मई को झारखंड हाईकोर्ट ने नामकुम अंचल के एक दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) से जुड़े मामले में मूल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए जाने के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अउइ को पूरे केस की जांच का आदेश दिया है। झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस राजेश शंकर की बेंच ने इस मामले की सुनवाई हुई। जिस भूमि को लेकर मामला हाईकोर्ट की दहलीज तक पहुंचा है वह नामकुम अंचल के डुंडु इलाके में स्थित है।

एतिहासिकः एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में झारखंड के चार खिलाड़ी

मेट्रो रेज

रांचीः जुलाई 2026 में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर तीनों वर्गों के भारतीय महिला हॉकी की टीम की घोषणा हुई तीनों वर्गों में झारखंड के 13 खिलाड़ी,जबकि पुरुष वर्ग के सब जूनियर लिए घोषित भारतीय टीम में भी झारखंड के एक खिलाड़ी सामिल है जनवरी 2015 से जून 2026 तक सब जूनियर,जूनियर एवं सीनियर भारतीय महिला और पुरुष टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले झारखंड के हॉकी खिलाड़ी

महिला वर्ग : निक्की प्रधान,सलीमा टेटे,संगीता कुमारी,ब्यूटी डुंगडुंग,दीपिका सोरेंग,सोनल मिंज,महिमा टेटे,रोपनी कुमारी,बिनिमा धान,निशा मिंज,पार्वती टोपनो,रोशनी आइद ,रजनी केरकेट्टा (सिमडेगा),रजनी केरकेट्टा (रांची),संदीपा कुमारी,पुष्पा मांझी,खिल्ली कुमारी ,नीलम टोपनो,श्रुति कुमारी,सुगन सांगा ,सुषमा कुमारी,अल्फा केरकेट्टा,अलका डुंगडुंग, संजना होरो ,नीरू कुल्लू,स्वीटी डुंगडुंग

भारत अ : अंजना डुंगडुंग,अलबेला रानी टोप्पो, सेलेस्टीना होरो

पुरुष : आशीष तानी पूर्ति,प्रेमचंद सोय,रोहित तिर्की,घुरन लोहरा ,पंकज कुमार रजक,अभय एक्का

नेत्रदान जागरूकता को लेकर 30 अगस्त को रांची में होगा ऐतिहासिक 'ब्लाइंडफोल्ड मैराथन'

- 'ब्लाइंडफोल्डेड रन फॉर विजन' में मुख्य अतिथि होंगे मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री देंगे आमंत्रण
- मोहम्मद अजहरुद्दीन होंगे विशिष्ट अतिथि
- स्वास्थ्य मंत्री ने किया रन फॉर विजन 2026 अभियान का आधिकारिक शंखनाद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का मिलेगा पूर्ण सहयोग
- डॉ. भारती कश्यप और डॉ. बी पी कश्यप की सामाजिक विरासत से अब तक 1089 लोगों की जिंदगी में लौटा उजाला

मेट्रो रेज

रांचीः आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब, कश्यप मेमोरियल आई बैंक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली ऐतिहासिक नेत्रदान जागरूकता दौड़ 'ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन 2026' का आधिकारिक ऐलान आज स्वास्थ्य मंत्री के आवासीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने अभियान का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ करते हुए इस पुनीत कार्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पूर्ण सहयोग का वादा किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब, कश्यप मेमोरियल आई बैंक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 30 अगस्त 2026 को सुबह 7:00 बजे राजधानी रांची में इस ब्लाइंडफोल्ड मैराथन का आयोजन किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री 'ब्लाइंडफोल्डेड रन फॉर विजन' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करेंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि होंगे स्वास्थ्य मंत्री एवं पूर्व सांसद सह भारत के पूर्व क्रिकेट टीम कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन।

नेत्रदान के पावन संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पिछले 20 वर्षों से 'रन फॉर विजन' और एक बेहद खास 'ब्लाइंडफोल्ड मैराथन' का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, इन आयोजनों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को कुछ समय के लिए आँखों पर पट्टी बांधकर दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन की वास्तविक चुनौतियों का अहसास कराया जाता है। इससे समाज में न केवल जागरूकता बढ़ती है, बल्कि हमारे दृष्टिबाधित भाई-बहनों के प्रति संवेदनशीलता भी गहरी होती है।

मंत्री जी ने इस अभियान की लंबी सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि डॉ कश्यप दम्पति कि 35 वर्षों की यह लंबी यात्रा इस बात का जीवंत प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से किसी भी सकारात्मक विचार को बड़े जन-आंदोलन में बदला जा सकता है। डॉ। भारती कश्यप और डॉ। बीपी कश्यप ने वर्ष 1996 में राज्य का पहला सफल निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपण (कॉर्नियल ट्रांसप्लांट) संपन्न किया था। वर्ष 1999 में डॉ। भारती कश्यप ने एलवी। प्रसाद आई इंस्टीट्यूट, हैदराबाद से कॉर्निया प्रत्यारोपण का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया और कॉर्निया को लंबे समय तक सुरक्षित रखने वाले 'एम के मीडियम' की सुविधा झारखण्ड को उपलब्ध कराइ जिस से राज्य में कॉर्निया को लम्बे समय तक सुरक्षित रखना आसान हुआ।

नेत्र चिकित्सक दम्पति ने इस नेत्रदान अभियान से अब तक 1089 लोगों के जीवन में खुशियों का प्रकाश लौटाया है, उन्होंने इसे हमारी चिकित्सा सेवा, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं की एक ऐसी प्रेरक विरासत बताया जो आने वाली पीढ़ियों को भी समाज सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने सभी सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वह आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और 29 अगस्त को आयोजित होने वाली इस मुहिम से जुड़कर राज्य को अंधत्व मुक्त बनाने में अपना सहयोग दें।

डॉ. भारती कश्यप, मेडिकल डायरेक्टर, कश्यप मेमोरियल आई बैंक ने बताया कि *41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े* के इस बेहद खास मौके पर, कश्यप मेमोरियल आई बैंक और आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब एक बार फिर 'ब्लाइंड फोल्डेड रन फॉर विजन' का आयोजन करने जा रहे हैं। पिछले 20 वर्षों से लगातार आयोजित होने वाले इस अभियान को इस साल राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रतिष्ठित पार्टनरशिप मिली है, जो हमारे इस प्रयास को एक नई ताकत देगी।

इस दौड़ का नजारा बेहद भावुक और प्रेरणादायी होता है। इस बार भी सैकड़ों बच्चे अपनी आँखों पर पट्टी बाँधकर, खुली आँखों वाले बच्चों का हाथ थामकर दौड़ेंगे। यह दौड़ सिर्फ एक रन नहीं है, बल्कि समाज को दृष्टिहीनता के दर्द का अहसास कराने और नेत्रदान के प्रति जागरूक करने का एक बड़ा संकल्प है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, कश्यप मेमोरियल आई बैंक और आई डोनेशन अवेयरनेस क्लब आप सभी का इस विशाल रन में स्वागत करता है। आइए, इस नेक काम का हिस्सा बनें और दूसरों की ज़िंदगी को रोशन करें।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

आयात की अर्थव्यवस्था

राष्ट्रपति ट्रंप बयान देते हैं और देशों की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खाने लगती हैं। बाजार धड़ाम से गिरते हैं। तेल, गैस, उर्वरक और अन्य सामान की किल्लत बढ़ने लगती है, लिहाजा संकट भी व्यापक और विकराल होने लगते हैं। मंदी और महंगाई भी बढ़ने लगती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के अलग-अलग ठिकानों और परमाणु केंद्रों पर लगातार 21 दिन तक हमलों की योजना का ऐलान किया है। फिलहाल औसतन 4 घंटे हररोज हमले किए जा रहे हैं। ईरान ने भी नई मिसाइल से खाड़ी देशों के अमेरिकी ठिकानों पर विनाशक हमले जारी रखे हैं। अमेरिका के वायु बेस, नौसेना बेड़े, रडार सिस्टम, मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमले कर ईरान ने साफ कर दिया है कि वह युद्ध के मोर्चे पर अभी तैनात है और लड़ रहा है। बहरहाल इन हमलों का पहला असर यह है कि कच्चे तेल के दाम 86 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गए हैं। ये दाम 71 डॉलर तक लुढक आए थे, जब समझौते के सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। एकबारगी लगा था कि युद्ध का अंत निकट है, लेकिन यह पहले की तरह ही विनाशक और वीभत्स हो रहा है। अब तेल-बाजार में जो शिपमेंट (लदान) बुक की जा रही है, वह 86-87 डॉलर के हिसाब से की जा रही है। बीते 15 दिनों में ही भारत के खजाने पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए का बोझ बढ़ चुका है, क्योंकि आयात-बिल बढ़ा है। भारत को कच्चा तेल 105 डॉलर प्रति बैरल पर खरीदना पड़ रहा है। इसमें युद्ध-बीमा, परिवहन की बढ़ी दरें और ईरान का टोल-टैक्स आदि भी शामिल हैं। यदि लाल सागर की ओर हूती लड़ाकों ने बाब-अल-मंदेब मार्ग को बंद कर दिया, तो 12 फीसदी वैश्विक आपूर्ति और प्रभावित होगी, नतीजतन तेल की कीमतें 200 डॉलर तक उछल सकती हैं, ऐसा विशेषज्ञों का दावा है। दरअसल अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था आयात-केंद्रित हो चुकी है। घरेलू उत्पादन से बेहतर आयात लगता है और वह अभी तक आसान भी रहा है। आयात न केवल घरेलू बाजार, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर, बल्कि निर्यात पर भी हावी हो चुका है। भारत का आयात 16 फीसदी बढ़ चुका है। अनुमान है कि आयात 17-18 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जो बीते साल में 11 लाख करोड़ रुपए रहा है। भारत खाड़ी देशों को 19 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निर्यात करता रहा है, लेकिन ईरान युद्ध और खाड़ी देशों तक आपूर्ति के व्यवधान और जोखिमों के कारण निर्यात काफी प्रभावित हो रहा है। इन परिस्थितियों में भारत का व्यापार-घाटा बढ़ रहा है। यदि कच्चा तेल 10 फीसदी भी महंगा होता है, तो चालू खाता घाटा देश के जीडीपी का 0.4 फीसदी बढ़ जाता है। सीईआईसी के मुताबिक, भारत में जहां मैन्युफैक्चरिंग की स्थिति पूर्ववत है, वहीं निर्माण-कार्यों और सेवा क्षेत्र के व्यापार और परिवहन में भारी गिरावट दर्ज की गई है। गांव के गरीबों, किसानों को शहर के निर्माण-कार्यों में रोजगार मिलता रहा है, लेकिन गिरावट के बाद उन्हें गांव की ओर लौटना पड़ रहा है। सूखे से खेती पर भी असर पड़ना तय है, लिहाजा कई फसलें इस बार कम बोई गई हैं। इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था कई तरह कुचली जाएगी। महंगाई की जो दरें उच्चतम स्तर पर पाई गई हैं, उनमें गांव में महंगाई अपेक्षाकृत बढ़ी है। बहरहाल भारत में कच्चे तेल की आमद तो संतोषजनक है, क्योंकि रूस सप्लाई कर रहा था। भारत अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका आदि देशों से तेल की स्पॉट खरीददारी भी कर रहा है। संकट एलएनजी का है। करीब 60 फीसदी एलएनजी होर्मुज के रास्ते भारत तक आती थी, लेकिन बीते शनिवार, 11 जुलाई, के बाद एलएनजी की सप्लाई भारत में नहीं हुई है। हालांकि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे आदि देशों से एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति जारी है, लेकिन उसका आयात महंगा पड़ रहा है। गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध भी नहीं है, नतीजतन एलपीजी का पहले जैसा संकट भी सामने आ सकता है। अभी भारत सरकार के बयान का इंतजार है कि कितने भंडारण शेष हैं, लेकिन एलपीजी का भंडारण तो अधिकतम पौने दो दिन तक ही किया जा सकता है। बहरहाल, अमेरिका और ईरान के बीच यह लड़ाई जल्द खत्म होती, नहीं लगती है। दोनों ओर से हमले पर हमले हो रहे हैं। ईरान के साथ-साथ अमरीका का भी काफी नुकसान हो चुका है, लेकिन कोई भी पक्ष समझौते के लिए तैयार नहीं है। अमरीका बार-बार धमकी दे रहा है कि अगर ईरान ने जल्द समझौता नहीं किया, तो उसे तबाह कर दिया जाएगा। ऐसे में शांति की उम्मीद नहीं है।

सुधार के नाम पर सामाजिक आतंक

इसमें दो राय नहीं कि शराब सेवन जैसी बुराई की रोकथाम में सामाजिक स्तर पर लिए गए फैसलों की अहम भूमिका रहती है। यह भी सच है कि शराबबंदी को लेकर समाज व समूह के स्तर पर लगाई जाने वाली पाबंदियां शराब के दुष्परिणामों से बचाने की दिशा में अहम हैं। शिक्षा के प्रसार और समझाइश के आधार पर इस तरह की पाबंदी लागू भी की जानी चाहिए। लेकिन जब सामाजिक स्तर पर लगाए गए प्रतिबंधों की पालना न करने पर अपने स्तर पर सजा देना शुरू हो जाए तो कथित समाज सुधार का विद्रूप चेहरा ही नजर आता है। राजस्थान में उदयपुर के आदिवासी इलाके में शराब पीने पर रोक के सामाजिक नियम का उल्लंघन करने पर युवक के एक पैर में रस्सी बांध कर पेड़ से उल्टा लटकाकर मारपीट की घटना को समाज सुधार के नाम पर सामाजिक आतंक ही कहा जा सकता है। सोशल मीडिया के दौर में भले ही देरी सही लेकिन ऐसी घटनाएं सामने आ ही जाती हैं। यह मामला भी करीब दो माह बाद सामने आया है। इस तरह से दी गई सजा न केवल उत्पीड़न की श्रेणी में आती है बल्कि निजी कानून-कायदों की पालना के नाम पर मानवाधिकारों के उल्लंघन को भी दशार्ता है। समाज के ठेकेदार खुद को ही जज और जल्लाद बनाने लग जाएं तो चिंता होना स्वाभाविक है।

यह घटना कोई अकेली नहीं। कभी प्रेमी युगल से मारपीट करने तो कभी चोरी में लिप्तता स्वीकार कराने के लिए निर्दोष से मारपीट करने, अपराधी को पुलिस के हवाले करने के बजाए खुद कानून हाथ में लेकर सजा देने जैसी घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं। कभी-कभी तो भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या तक कर दी जाती है। पुलिस व प्रशासन के समय रहते दखल नहीं करने से भी ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं। इस तरह के मामलों में जरा सी भी सुस्ती किसी बड़े घटनाक्रम को अंजाम देने वाली हो सकती है। सामाजिक नियमों को हिंसा के माध्यम से लागू करने के तरीकों को तो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

तीजनबाई भारत की रत्न, सरकार करे पहल

'आखिर छत्तीसगढ़ राज्य का गठन क्यों किया गया था, जब यहां कि धरोहरों को हम पहचान और सम्मान नहीं दे पा रहे? क्या अविभाजित मध्यप्रदेश में तब के छत्तीसगढ़ अंचल से विधायक-सांसद-मंत्री-मुख्यमंत्री नहीं हुए थे? क्या तब सड़कें-स्कूल-कॉलेज-अस्पताल नहीं थे? यह सभी था। कुछ कम-ज्यादा या कमीबेशी थी।'

अनुपम राजीव

पद्मविभूषण डॉ. तीजनबाई की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने उनके नाम पर राज्य अलंकरण पुरस्कार देने का ऐलान किया है, जोकि पंडवानी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कलाकार को दिया जाएगा। साथ ही तीजनबाई के पैतृक गांव गनियारी को कलाग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा।

स्व. तीजनबाई को सरकार द्वारा दी गई इस 'श्रद्धांजलि' से कलाजगत और हम छत्तीसगढिया लोगों की पीड़ा थोड़ी-सी कम जरूर हुई है, लेकिन अभी भी सभी मर्माहत हैं... सभी के दिलों में एक टीस है..। टीस इस बात की है कि इस महान कला साधिका के निधन पर 5 जुलाई को राजकीय शोक घोषित न हो सका। हालांकि राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार हुआ। पर, सभी को यह उम्मीद थी कि भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत तीजनबाई के निधन पर देश में नहीं, तो कम-से-कम उनके अपने प्रदेश में राजकीय शोक घोषित किया जाएगा। राजकीय शोक एक तरह का सम्मान होता है मृतात्मा का। यह वर्तमान या पूर्व राज्यपाल, वर्तमान या पूर्व मुख्यमंत्री या राज्य के किसी अत्यंत विशिष्ट व्यक्ति-हस्ती और राष्ट्रीय नेताओं के निधन पर दिया जाता है। ऐसे अवसरों पर राज्य में आधिकारिक अवकाश और पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शामिल हो सकती है। तो क्या देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से अलंकृत छत्तीसगढ़ की अबतक की एकमात्र हस्ती तीजनबाई इस 'सम्मान' की हकदार नहीं थीं? पद्मविभूषण तीजनबाई की ख्याति देशों की सीमाओं से परे विदेशों में भी थी। उनकी कला साधना, योगदान और उन्होंने जो देश-विदेश में भारत को कीर्ति दिलाई, उसे किसी भी तरह से दूसरी महान हस्तियों की तुलना में किसी भी रूप में कम नहीं माना जा सकता है।

आखिर छत्तीसगढ़ राज्य का गठन क्यों किया गया था, जब यहां कि धरोहरों को हम पहचान और सम्मान नहीं दे पा रहे? क्या अविभाजित मध्यप्रदेश में तब के छत्तीसगढ़ अंचल से विधायक-सांसद-मंत्री-मुख्यमंत्री नहीं हुए थे? क्या तब सड़कें-स्कूल-कॉलेज-अस्पताल नहीं थे? यह सभी था। कुछ कम-ज्यादा या कमीबेशी थी। हमें अलग राज्य इसलिए चाहिए था कि हमारी संस्कृति, हमारी भाषा-बोली, हमारी धरोहरों, हमारे आचार-विचारों को वह सम्मान मिले, जिसका सपना हमारे पुरखों खूबचंद बघेल, पं. सुंदरलाल शर्मा, पं. वामनराव लाखे आदि-आदि ने देखा था।

खैर, जो हुआ सो हुआ। अब सरकार को यह पहल दिलोजान से करनी चाहिए कि भारत की अनमोल रतन स्व. तीजनबाई भारतरत्न से अलंकृत हो। साथ ही तीजनबाई ने जिस संस्थान भिलाई स्टील प्लांट में नौकरी की, अगर हो सके तो उसका नामकरण 'तीजन स्टील प्लांट' कराने का भी प्रयास किया जाना चाहिए। यही उस महान कला साधिका को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अंतिम दिनों में दर्द से राहत और जीवन को सम्मान

'जब किसी रोगी की बीमारी नियंत्रण से बाहर हो जाती है, तभी से पैलिएटिव केयर शुरू की जा सकती है। वहीं, जब रोगी के छह महीने से अधिक जीवित रहने की संभावना नहीं होती, तब उसे हॉस्पिस केयर में स्थानांतरित किया जा सकता है। किसी भी क्रॉनिक बीमारी से पीड़ित रोगी को हॉस्पिस केयर की सलाह देने का अर्थ यह होता है कि अब लक्षणों को नियंत्रित करने एवं जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर अधिक ध्यान देना आवश्यक है। अमेरिका में हॉस्पिस केयर का दायरा पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है। वर्ष 2000 में जहां 21.6 प्रतिशत मृतकों ने हॉस्पिस केयर का उपयोग किया, वहीं वर्ष 2009 में यह आंकड़ा बढ़कर 42.2 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2019 तक मेडिकेयर के तहत आने वाले 51.6 प्रतिशत लोग मृत्यु के समय हॉस्पिस सेवाओं में नामांकित थे।'

डॉ. पंकज जैन

जीवन के अंतिम पड़ाव एवं गंभीर लंबी बीमारियों से जूझते स्वजनों की पीड़ा हर किसी के लिए कष्टकारी होती है। यह एक भावनात्मक एवं मानवीय पहलू तो है ही, साथ ही चिकित्सकीय दृष्टिकोण से वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता के अनुरूप एक उभरती हुई विधा है, जिसे मेडिकल साइंस में पैलिएटिव मेडिसिन और हॉस्पिस केयर से परिभाषित किया जाता है। पैलिएटिव मेडिसिन गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए विशेष चिकित्सकीय देखभाल है, जो एक बहुविषयक टीम द्वारा प्रदान की जाती है। इस टीम में पारंगत फिजिशियन, नर्स, फिजियोथेरेपिस्ट, फार्मासिस्ट, आहार विशेषज्ञ, ऑक्युपेशनल थेरेपिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता एवं काउंसलर शामिल होते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य रोगी को दर्द से राहत देना, लक्षणों को नियंत्रित करना तथा रोगी को मानसिक और आध्यात्मिक देखभाल प्रदान कर उसका तनाव कम करना है, ताकि रोगी और उसके परिजनों दोनों की जीवन-गुणवत्ता में सुधार हो सके। साथ ही, रोगी को जीवन के शेष समय में यथासंभव पूर्ण एवं सुखमय जीवन जीने का अवसर मिल सके। पैलिएटिव केयर और हॉस्पिस केयर एक-दूसरे के पूरक हैं। ये सेवाएं किसी भी अस्पताल, नर्सिंग होम, घर अथवा संस्था द्वारा प्रदान की जा सकती हैं। गुणवत्तापूर्ण पैलिएटिव देखभाल के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है- 1. शारीरिक लक्षण, 2. मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य, 3. सामाजिक आवश्यकताएं (जिनमें पारिवारिक संबंध, देखभाल एवं आर्थिक मामले शामिल हैं), 4. आध्यात्मिक एवं स्व-अस्तित्व संबंधी आवश्यकताएं। उच्च-मध्यम एवं उच्च आय वाले देशों में अनुमानित 70 प्रतिशत मृत्यु किसी लंबी बीमारी या स्वास्थ्य स्थिति के कारण होती है। अमरीका में कुल व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल व्यय का लगभग 10 प्रतिशत (करीब 450 अरब डॉलर) आबादी के उस 0.98 प्रतिशत वर्ग पर खर्च होता है, जो अपने जीवन के अंतिम वर्ष में होता है। यह कैंसर के अलावा सीओपीडी (श्वास संबंधी बीमारी), लिवर फेल्योर, अल्जाइमर्स तथा एड्स जैसी बीमारियों से ग्रस्त मरीजों की देखभाल में भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। जब किसी रोगी की बीमारी नियंत्रण से बाहर हो जाती है, तभी से पैलिएटिव केयर शुरू की जा सकती है। वहीं, जब रोगी के छह महीने से अधिक जीवित रहने की संभावना नहीं होती, तब उसे हॉस्पिस केयर में स्थानांतरित किया जा सकता है। किसी भी क्रॉनिक बीमारी से पीड़ित रोगी को हॉस्पिस केयर की सलाह देने का अर्थ यह होता है कि अब लक्षणों को नियंत्रित करने एवं जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर अधिक ध्यान देना आवश्यक है। अमेरिका में हॉस्पिस केयर का दायरा पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है। वर्ष 2000 में जहां 21.6 प्रतिशत मृतकों ने हॉस्पिस केयर का उपयोग किया, वहीं वर्ष 2009 में यह आंकड़ा बढ़कर 42.2 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2019 तक मेडिकेयर के तहत आने वाले 51.6 प्रतिशत लोग मृत्यु के समय हॉस्पिस सेवाओं में नामांकित थे।

हमारे देश में भी पैलिएटिव केयर का दायरा तेजी से बढ़ रहा है, किंतु यह अभी भी उपेक्षित एवं स्वास्थ्य प्रणाली का सीमित पहुंच वाला क्षेत्र बना हुआ है। एक अनुमान के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष लगभग 70 लाख से 1 करोड़ लोगों को पैलिएटिव केयर की आवश्यकता होती है, किंतु केवल 1 से 2 प्रतिशत लोगों को ही यह सुविधा उपलब्ध हो पाती है। पैलिएटिव केयर के समक्ष आज भी अनेक चुनौतियां हैं, इनमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों में पैलिएटिव केयर को पर्याप्त स्थान न मिलना, स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण का अभाव, ओपिऑयड दर्द निवारक दवाओं की सीमित उपलब्धता तथा नीति-निमार्ताओं, स्वास्थ्य पेशेवरों एवं आमजन में इसके प्रति जागरूकता की कमी प्रमुख हैं। सांस्कृतिक एवं सामाजिक बाधाएं तथा पैलिएटिव केयर को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियां भी इसकी राह में अवरोध उत्पन्न करती हैं। सर्वसुलभ पैलिएटिव केयर सुनिश्चित करने के लिए सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। ऐसी स्वास्थ्य नीतियां बनाई जानी चाहिए, जो पैलिएटिव केयर को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रत्येक स्तर पर एकीकृत करें, क्योंकि रोग के प्रारंभिक चरण में दी गई पैलिएटिव केयर सबसे अधिक प्रभावी सिद्ध होती है। यह न केवल रोगी की जीवन-गुणवत्ता में सुधार करती है, बल्कि अनावश्यक अस्पताल भर्ती की आवश्यकता भी कम करती है। साथ ही, संसाधनों को सुदृढ़ एवं विस्तारित करने की आवश्यकता है। इसके तहत वर्तमान स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षण देना, नए स्वास्थ्य पेशेवरों के पाठ्यक्रम में पैलिएटिव केयर को शामिल करना तथा आमजन को इसके प्रति शिक्षित एवं जागरूक करना आवश्यक है। आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के तहत रोगी की आयु, आय अथवा बीमारी के प्रकार की परवाह किए बिना सभी को पैलिएटिव केयर सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

जीवन में गुरु क्यों जरूरी

श्रीराम शर्मा

चिंतन-मनन

युवावस्था मानव जीवन का सबसे स्वर्णिम और महत्त्वपूर्ण कालखंड है। यह वह समय है, जब व्यक्ति बड़े सपने देखता है, जीवन के ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करता है और अपने भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इस अवस्था में उत्साह, असीम ऊर्जा और महत्त्वाकांक्षा कूट-कूट कर भरी होती है। किंतु दिशाहीनता के इस दौर में यदि सही मार्गदर्शन न मिले, तो युवा भटकाव का शिकार भी हो सकता है। ऐसे समय में एक सच्चे सद्गुरु का सान्निध्य युवाओं को भटकाव से बचाकर सही दिशा प्रदान करता है।

गुरु ने हर युग में दिखाई सही राह- हमारे इतिहास और संस्कृति में अनेक महान विभूतियों के जीवन में गुरु की केंद्रीय भूमिका स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। स्वामी विवेकानंद के जीवन को एक युगांतरकारी दिशा देने का कार्य उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस ने किया। विवेकानंद के भीतर अद्भुत प्रतिभा, तीव्र जिज्ञासा और अदम्य साहस था, किंतु गुरु के सान्निध्य ने ही उन्हें आत्मबोध कराया और जीवन का वास्तविक उद्देश्य प्रदान किया। इसी का परिणाम था कि वे वैश्विक पटल पर भारतीय संस्कृति और अध्यात्म के विश्वविख्यात प्रतिनिधि बनकर उभरे। इसी प्रकार छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को निखारने में समर्थ रामदास का प्रभाव उल्लेखनीय रहा। गुरु के कुशल मार्गदर्शन ने शिवाजी के भीतर राष्ट्रभक्ति, धर्मनिष्ठा और ह्यहिंदवी स्वराज्यह्ण के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ तथा सुव्यवस्थित किया। युगऋषि श्रीराम शर्मा आचार्य की सीख- युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के अनुसार, युवा के भीतर छिपी हुई प्रसुप्त प्रतिभाएं, उच्च आदर्श और दिव्य संभावनाएं उचित प्रेरणा व सही मार्गदर्शन मिलने पर ही अंकुरित और विकसित होती हैं। सद्गुरु युवा को न केवल सद्ज्ञान देते हैं, बल्कि उनके चिंतन को भी उत्कृष्ट बनाते हैं तथा उनके व्यक्तित्व का परिष्कार करते हैं। वे युवा को यह बोध कराते हैं कि जीवन केवल व्यक्तिगत सुखों के लिए जीने का नाम नहीं है, बल्कि समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को निभाने का एक अनुपम अवसर है। आचार्य श्री का अटूट विश्वास था कि जब कोई युवा अपने जीवन में संयम, सेवा, स्वाध्याय, सदाचार और आत्मविकास जैसे पंचशील आर्दशो को समाहित कर लेता है, तब वह केवल एक सफल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि एक आदर्श नागरिक और युग निर्माता के रूप में रूपांतरित हो जाता है।

आपके पत्र

एथेनॉल का प्रयोग कितना जरूरी?

देश को ईंधन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए वाहनों के लिए एथेनॉल का प्रयोग करना जरूरी है, लेकिन विपक्ष, कुछ राजनीतिक दल और अन्य लोग इस ईंधन का विरोध भी कर रहे हैं। ऐसे विरोधियों को इन बातों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, जैसे कि अमरीका और ईरान के बीच फिर से युद्ध छिड़ गया है, इसलिए हो सकता है कि देश में पेट्रोल और डीजल के लिए सरकार कुछ और नियम तय कर दे या फिर से यह चीजें महंगी हो जाएं।

कुछ समय पहले कनाडा यूनिवर्सिटी ऑफ क्यूबेक के जैव रसायन प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक मार्क ब्यूरेगार्ड ने बताया था कि धरती पर वर्ष 2070 तक पेट्रोल-डीजल खत्म हो जाएगा। इसलिए पेट्रोल और डीजल का संरक्षण जरूरी है।

बीके जायसवाल,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

खाते से 79 हजार से अधिक की निकासी महिला ने बैंक प्रबंधन से लगाई गुहार

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र में बैंक खातों से अवैध निकासी और डिजिटल माध्यमों से साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे मामलों में बढ़ोतरी से आम लोगों में चिंता का माहौल है। इसी बीच राधानगर थाना क्षेत्र की एक महिला के बैंक खाते से बिना अनुमति बड़ी राशि निकाले जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार, राधानगर निवासी फेकनी मंडल ने बैंक ऑफ इंडिया, राधानगर शाखा के शाखा प्रबंधक को लिखित आवेदन देकर उनके खाते से हुई संदिग्ध निकासी की निष्पक्ष जांच कराने, निकाली गई राशि वापस दिलाने तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता ने आवेदन में बताया कि करीब एक माह पूर्व उनके बैंक खाते में लगभग 1.09 लाख रुपये जमा थे। कुछ दिनों बाद जब उन्होंने अपने खाते की जानकारी ली तो उसमें केवल 29,400 रुपये ही शेष मिले। इस प्रकार उनके खाते से करीब 79,600 रुपये की निकासी हो चुकी थी, जिसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। महिला ने आशंका जताई है कि उनके आधार कार्ड और बायोमेट्रिक डेटा का दुरुपयोग कर आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम, किसी सीएसपी केंद्र अथवा अन्य ऑनलाइन माध्यम से धोखाधड़ी कर राशि निकाली गई है। इस संबंध में बैंक ऑफ इंडिया, राधानगर शाखा के शाखा प्रबंधक बिमल कुमार बारा ने बताया कि पीड़िता का आवेदन प्राप्त हो गया है। मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को भेजी जा रही है तथा बैंक के नियमानुसार पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बच्चे को सांप ने डंसा, उपचार के बाद खतरे से बाहर

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के चांदशहर गांव में खेलते समय एक 10 वर्षीय बालक को जहरीले सांप ने डस लिया। घटना के बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। समय रहते बच्चे को अस्पताल पहुंचाए जाने के कारण उसकी जान बच गई।फिलहाल चिकित्सकों ने बच्चे की हालत खतरे से बाहर बताई है। जानकारी के अनुसार चांदशहर गांव निवासी सेझू शेख का 10 वर्षीय पुत्र देर रात अपने घर के समीप खेल रहा था। इसी दौरान झाड़ियों से निकले एक जहरीले सांप ने उसके पैर में डंस लिया। सांप के काटते ही बच्चा दर्द से चिल्लाता हुआ घर पहुंचा और अपनी मां को पूरी घटना की जानकारी दी।बच्चे की बात सुनते ही परिजनों के होश उड़ गए। बिना देर किए उसे पश्चिम बंगाल स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे की स्थिति में सुधार हुआ और अब वह खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 8 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत चांदशहर-बेगमगंज आरईओ मुख्य सड़क पर देर रात तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की चपेट में आने से एक 8 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, जबकि परिजन घायल बच्चे को तत्काल इलाज के लिए निजी क्लिनिक ले गए। जानकारी के अनुसार चांदशहर गांव निवासी सोनू शेख का 8 वर्षीय पुत्र सड़क किनारे खेल रहा था। इसी दौरान बेगमगंज की ओर से तेज गति से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बालक सड़क किनारे गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने घायल बच्चे को नजदीकी क्लिनिक में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। उपचार के बाद बच्चे की स्थिति में सुधार बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक चालक भी चांदशहर गांव का ही निवासी है।

हजारीबाग में मतदाता सूची में नाम सत्यापन की रफ्तार सुस्त

हजारीबाग : हजारीबाग जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान के तहत अब समय तेजी से बीत रहा है। 19 जुलाई फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि है, लेकिन जिले के कई शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अभी भी बड़ी संख्या में मतदाताओं ने फॉर्म नहीं भरे हैं। प्रशासन द्वारा पंचायत प्रतिनिधियों को लगाए जाने के बावजूद, कई लोग अभी भी प्रक्रिया से अनजान हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, हजारीबाग जिले में लाखों की संख्या में मतदाता इस प्रक्रिया के दायरे में हैं। प्रशासन ने इस काम को गति देने के लिए जिले की 250 से अधिक पंचायतों में मुखिया और वार्ड सदस्यों को सक्रिय किया है, ताकि हर घर तक फॉर्म पहुंचे और सत्यापन कार्य पूर्ण हो सके। हजारीबाग सदर, बरही, कटकमदाग, विष्णुगढ़ और चौपारण सहित सभी प्रखंडों में सत्यापन कार्य चल रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्य मतदाता सूची की शुद्धता के लिए है। यदि कोई मतदाता 19 जुलाई तक अपना प्रपत्र जमा नहीं करता है, तो निर्वाचन नियमावली के तहत उनका नाम सूची से हटाया जा सकता है। कई मतदाताओं की यह शिकायत सामने आई है कि उन्हें अभी तक फॉर्म उपलब्ध नहीं कराया गया है। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय इन कदमों का पालन करें। अपने संबंधित वार्ड सदस्य या बीएलओ से अविलंब संपर्क करें। यदि वे आपके घर नहीं आ पाए हैं, तो उनसे फॉर्म की मांग करें। अपने मतदान केंद्र पर जाकर बीएलओ से मिलें और अपना नाम सूची में सत्यापित करवाएं।ऑनलाइन सत्यापन करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी स्थिति की जांच करें।दस्तावेजों की तैयारी करें। सत्यापन के समय अपना आधार कार्ड या अन्य वैध पहचान पत्र साथ रखें ताकि विवरण मिलान में कोई त्रुटि न रहे।
जिला प्रशासन ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि वे इसे मात्र एक औपचारिकता न समझें। आपका एक छोटा सा प्रयास यह सुनिश्चित करेगा कि आगामी चुनावों में आप अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।याद रखें कि 19 जुलाई के बाद किसी भी स्थिति में नाम सत्यापन की प्रक्रिया अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो जाएगी। अतः समय रहते अपना कर्तव्य निभाएं और अपने परिवार के सभी सदस्यों का विवरण सुनिश्चित करें।

असंगठित और जॉब कार्डधारी मजदूरों का होगा निबंधन

बरकट्ठा : प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायतों में 17 से सात अगस्त तक मनरेगा जॉब कार्डधारी मजदूर और असंगठित श्रमिकों का निबंधन कार्य किया जाएगा। प्रखंड के ग्राम पंचायत बरकंनगांगों, चुगलामो, गैड़ा और बेडोकला में आगामी 17 से 21 जुलाई तक शिविर लगाया जाएगा। इसमें मनरेगा योजना में कार्य कर रहे मजदूरों का निर्माण, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं प्रवासी मजदूरों का श्रमदान पोर्टल पर निबंधन होगा। मजदूरों का निबंधन सभी पंचायत भवन के प्रज्ञा केन्द्र संचालक ऑनलाईन निबंधन करेंगे। तुईयो, कपका, गंगपाचो, गयपहाड़ी में 22 से 27 जुलाई तक, सलैया, झुरझुरी, कोनहराखुर्द, बरकट्ठा दक्षिणी, बरकट्ठा उत्तरी पंचायत में 28 से एक अगस्त तक, चेचकप्पी, बेलकप्पी, शिलाडीह, गोरहर पंचायत में तीन से सात अगस्त तक शिविर नोडल पदाधिकारी एवं पंचायत सहायक की देखरेख में आयोजित किया जाएगा।

पुनर्विकसित शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन आज जनता को किया गया समर्पित

संवाददाता

साहिबगंज : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत देश के 20 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्विकसित 75 रेलवे स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित करेंगे।लगभग ₹1,570 करोड़ की लागत से विकसित इन स्टेशनों को आधुनिक,यात्री-अनुकूल परिवहन केंद्रों के रूप में विकसित किया गया है,जहाँ क्षेत्रीय विरासत एवं सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं।यह पुनर्विकास ₹विरासत भी,विकास भी₹ की भावना को साकार करता है।पूर्व रेलवे में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत कुल 64 रेलवे स्टेशन चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 06 स्टेशन पहले ही माननीय प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किए जा चुके हैं।आज मालदा मंडल के शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन का लोकार्पण होने के साथ यह पूर्व रेलवे का सातवाँ अमृत भारत स्टेशन होगा,जिसे प्रधानमंत्री राष्ट्र को समर्पित करेंगे।शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास अमृत भारत स्टेशन योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत ₹17.94 करोड़ की स्वीकृत लागत से किया गया है।इस पुनर्विकास के माध्यम से स्टेशन को आधुनिक, सुगम एवं आकर्षक यात्री परिसर के रूप में विकसित किया गया है,जिसमें बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विशेष रूप से उकेरा गया है।बिहार के भागलपुर जिले के लिए एक महत्वपूर्ण रेल प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करने वाला शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।₹भारत की सिल्क सिटी₹ के नाम से प्रसिद्ध भागलपुर अपनी प्राचीन रेशम बुनाई परंपरा तथा समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्वविख्यात है।पुनर्विकसित स्टेशन से यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी,क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार एवं रोजगार तक पहुँच और अधिक सुगम बनेगी।आधुनिक वास्तुकला,उन्नत यात्री सुविधाओं तथा मधुबनी कला से

सुसज्जित आंतरिक सज्जा के माध्यम से यह स्टेशन आधुनिकता और स्थानीय सांस्कृतिक पहचान का उत्कृष्ट संगम प्रस्तुत करता है।स्टेशन के पुनर्विकास में क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को विशेष महत्व दिया गया है।इसमें भव्य प्रवेश पोर्टिको,विस्तृत ग्लेज़िंग एवं प्रीमियम एसीपी क्लैडिंग से युक्त आधुनिक अग्रभाग (फसाड), आकर्षक हरित परिदृश्य,पैदल यात्रियों के लिए सुविधाजनक आवागमन क्षेत्र तथा बेहतर सुगम्यता विकसित की गई है।प्रतीक्षालयों एवं अन्य यात्री क्षेत्रों को मधुबनी चित्रकला तथा विरासत-आधारित कलाकृतियों से सजाया गया है,जो बिहार की समृद्ध कलात्मक परंपरा को प्रदर्शित करती हैं।विक्रमशिला की गौरवशाली विरासत से प्रेरित यह स्टेशन ज्ञान से प्रगति की यात्रा का प्रतीक है तथा क्षेत्र के गौरवपूर्ण अतीत को उसके उज्ज्वल भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ता है।पुनर्विकसित स्टेशन पर उन्नत प्रतीक्षालय,आधुनिक शौचालय, बेहतर प्रकाश व्यवस्था,डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली,स्पष्ट साइनेज, पुनर्निर्मित परिसंचरण क्षेत्र,पार्किंग सुविधा,लिफ्ट,नया फुट ओवर ब्रिज तथा दिव्यांगजन यात्रियों के लिए बेहतर सुगम्यता जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास आधुनिक,सतत एवं यात्री-केंद्रित रेल अवसंरचना के विकास के साथ-साथ क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति पूर्व रेलवे की प्रतिबद्धता का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण है।यह स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भारतीय रेल के तीव्र आधुनिकीकरण एवं परिवर्तन का एक सशक्त प्रतीक बनकर उभरा है।

जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति : बजरंगी

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश यादव महासभा कोर कमेटी की बैठक रांची मे आयोजित की गई।बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप मे प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे रामाशीष यादव मुख्य रूप से मौजूद रहे।कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर व दीप प्रज्वालित कर किया।बैठक मे संगठन की मजबूती,यादव समाज के राजनीतिक,सामाजिक एवं शैक्षणिक सशक्तिकरण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।वही बैठक मे प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव ने निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर चर्चा करते हुए सभी साथियों से अपील किया कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा अपने और अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम मतदाता सूची में सही ढंग से दर्ज कराना सुनिश्चित करें।श्री यादव ने कहा कि एक जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है।इस दौरान सभी राजनीतिक दलों से यादव समाज को उसकी जनसंख्या,योगदान और क्षमता के अनुरूप सम्मानजनक राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की गई।साथ ही सर्वसम्मति से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर व जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के सामूहिक विवाह का संपूर्ण खर्च झारखंड प्रदेश यादव महासभा वहन करेगी।यह निर्णय समाज सेवा और सामाजिक समरसता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव, महासचिव इंद्रजीत यादव, दिनेश यादव जामताड़ा, शिवकुमार यादव, बनारस प्रसाद यादव पिंकी यादव सहित यादव समाज के कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भगवान श्री जगन्नाथ के रथ यात्रा में जयघोष से गूंज उठा पूरा नगर

साहिबगंज : आस्था,श्रद्धा और भक्ति के अद्भुत संगम के बीच भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथ यात्रा का आयोजन राजमहल में बड़े ही हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ।रथ यात्रा का शुभारंभ बर्मन कॉलोनी से हुआ।जहां वैदिक मंत्रोच्चार,पूजा-अर्चना एवं आरती के बाद भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के सुसज्जित रथ को श्रद्धालुओं द्वारा खींचा गया।रथ यात्रा बर्मन कॉलोनी से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग होते हुए नया बाजार मोड़ पहुंची।इसके बाद यात्रा महाजन टोली की ओर अग्रसर हुई और बड़ी महाजन टोली होते हुए पुनःअपने निर्धारित स्थान पर विधिवत संपन्न हुई।पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पुष्प वर्षा की तथा जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा रथ यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।रथ यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। ₹जय जगन्नाथ₹, ₹हरि बोल₹ और ₹जय श्री कृष्ण₹ के गगनभेदी जयघोष से पूरा राजमहल भक्तिमय वातावरण में डूब गया।महिलाएं,पुरुष,बच्चे एवं बुजुर्ग सभी बड़े उत्साह के साथ रथ यात्रा में शामिल हुए।श्रद्धालुओं ने भगवान का रथ खींचकर स्वयं को सौभाग्यशाली माना और पूरे मार्ग में भक्ति गीतों एवं कीर्तन से वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया।यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल,शरबत एवं प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई।स्थानीय लोगों एवं सामाजिक संगठनों ने रथ यात्रा का स्वागत करते हुए श्रद्धालुओं की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात संचालन के लिए प्रशासन और पुलिस बल भी पूरे मार्ग में तैनात रहेजिससे यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।भगवान श्री जगन्नाथ की इस ऐतिहासिक एवं भव्य रथ यात्रा ने राजमहल की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को एक बार फिर जीवंत कर दिया।श्रद्धालुओं का मानना है कि भगवान श्री जगन्नाथ के रथ के दर्शन एवं रथ को खींचने से सुख,शांति,समृद्धि और मंगल की प्राप्ति होती है।

सहायता शिविर में पहुंचे सीओ बोले सरकारी कार्यों में सहयोग सराहनीय पहल

संवाददाता

साहिबगंज : शहर के कुलीपाड़ा एवं हबीबपुर स्थित अब्दुल कयूम अंसारी उर्दू कन्या मध्य विद्यालय के समीप संचालित उर्दू लाइब्रेरी की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्यक्रम के तहत बुधवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सहायता शिविर का आयोजन किया गया शिविर में आसपास के तीन से चार वार्डों के बड़ी संख्या में मतदाताओं ने अपने आवेदन प्रपत्र भरवाए तथा एसआईआर से संबंधित तकनीकी जानकारी प्राप्त की।शिविर का निरीक्षण करने सदर प्रखंड के अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू भी पहुंचे।उन्होंने लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि एसआईआर पूरी तरह सरकारी कार्य है,लेकिन इसमें उर्दू लाइब्रेरी जैसी सामाजिक संस्था का सहयोग

करना अत्यंत सराहनीय पहल है।उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यों में समाज की भागीदारी से लोगों को सुविधा मिलती है और कार्य भी सुगमता से संपन्न होता है।अंचल अधिकारी ने क्षेत्र के सभी बीएलओ को निर्देश दिया कि आवश्यकता पड़ने पर वे भी इस सहायता शिविर का सहयोग लें,क्योंकि संस्था के सदस्य लोगों की मदद के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहे हैं।वहीं क्षेत्र के सभी बीएलओ भी शिविर में उपस्थित रहकर मतदाताओं की सहायता करते नजर आए।इस अवसर पर उर्दू लाइब्रेरी के अध्यक्ष मोहम्मद हसमत तबरेज,सचिव मोहम्मद दाबर इमरान,मोहम्मद आफताब आलम, मोहम्मद राशिद खान, मोहम्मद आजाद हुसैन,महताब आलम, रब नवाज आलम, राजा नासिर,राजू अंसारी सहित संस्था के कई सदस्य मौजूद रहे।

रथयात्रा के दौरान पूरा नगर जय जगन्नाथ और हरे कृष्ण के जयघोष से गूंज उठा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : गुरुवार को बरहेट में भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा पूरे धार्मिक उत्साह,श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई। रथयात्रा के दौरान पूरा नगर जय जगन्नाथ और हरे कृष्ण के जयघोष से गूंज उठा। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ की डोर थामकर पुण्य लाभ प्राप्त किया और नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।रथयात्रा की शुरूआत एनटीपीसी रोड स्थित प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर से हुई। जहां भगवान जगन्नाथ,उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की विशेष पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आरती की गई। इसके बाद तीनों विग्रहों को आकर्षक ढंग से सुसज्जित भव्य रथ पर विराजमान कराया गया। जैसे ही रथ आगे बढ़ा श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ भगवान का स्वागत किया और रथ खींचने के लिए उत्साहपूर्वक आगे आए।भव्य रथयात्रा एनटीपीसी रोड से निकलकर बरहेट बाजार के प्रमुख मार्गों से होते हुए नगर भ्रमण पर निकली।रास्ते में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने रथ पर पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया।महिलाओं,बच्चों और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने आरती उतारकर सुख-समृद्धि की कामना की।पारंपरिक वाद्य यंत्रों,मृदंग,झांझ, करताल तथा हरे कृष्ण संकीर्तन की मधुर धुनों पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए।नगर भ्रमण के बाद रथयात्रा हरे कृष्ण मंदिर पहुंची,जहां भगवान जगन्नाथ,देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र को विधि-विधान एवं वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विराजमान कराया गया।धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान यहां आठ दिनों तक विश्राम करेंगे,जिसके बाद पुनः भव्य शोभायात्रा के साथ उन्हें एनटीपीसी रोड स्थित जगन्नाथ मंदिर में स्थापित किया जाएगा।रथयात्रा के समापन पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।बड़ी संख्या में भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर प्रशासन द्वारा भी आवश्यक इंतजाम किए गए,जिससे यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा ने श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था का संचार किया।पूरे आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं की भागीदारी रही और बरहेट का वातावरण दिनभर भक्ति और उत्सव के रंग में रंगा रहा।

जामताड़ा में जच्चा-बच्चा की मौत पर भड़के परिजन, सदर अस्पताल में हंगामा

संवाददाता

जामताड़ा : जिले के सदर अस्पताल में एक प्रसूता और नवजात बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों एवं गुस्साए लोगों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने चिकित्सकों पर इलाज के दौरान लापरवाही का आरोप भी लगाया है।
परिजनों का हंगामा
जामताड़ा सदर अस्पताल से एक प्रसूता और उसके नवजात बच्चे को गंभीर स्थिति में रेफर करने के बाद रास्ते में ही जच्चा-बच्चा की मौत हो गई। घटना के बाद नवजात बच्चे और महिला के शव को लेकर जामताड़ा सदर अस्पताल में गुस्साए परिजनों ने जमकर हंगामा किया। बाद में मौके पर पुलिस प्रशासन के पदाधिकारियों ने पहुंचकर स्थिति को संभाला और मामले को शांत कराया।
क्या है मामला?
दरअसल, जामताड़ा सदर थाना क्षेत्र के सरकार बांध के रहने वाले कन्हैया नाम के शख्स की पत्नी रीना देवी गर्भवती थी। उन्हें गुरुवार सुबह प्रसव पीड़ा होने पर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत नाजुक होने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें रेफर कर दिया। बताया जाता है कि धनबाद ले जाते समय रास्ते में ही जच्चा-बच्चा दोनों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन एवं स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और सदर अस्पताल में जाकर जमकर हंगामा किया।
परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप
परिजनों ने इस घटना को लेकर अस्पताल की व्यवस्था और इलाज में कोताही बरतने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना था कि उनका समय पर इलाज नहीं किया गया। नतीजा जब हालात बिगड़ गई, तब उसे रेफर कर दिया गया। परिजनों

ने कहा कि इस दौरान एंबुलेंस भी उपलब्ध नहीं करवाया गया। वहीं इस पूरे मामले पर सिविल सर्जन ने जानकारी देते बताया कि महिला की यह तीसरी डिलीवरी थी और उसका इलाज पहले से ही धनबाद में चल रहा था। 12 जुलाई को एडमिट करने को कहा गया था लेकिन वहां एडमिट नहीं किया गया और प्रसूता को सदर अस्पताल लाया गया, जहां उसका समुचित इलाज किया गया और गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे धनबाद के लिए रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही दोनों की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया। सिविल सर्जन ने इलाज में किसी भी तरह की कोताही बरतने के आरोपों से इनकार किया है।
बहरहाल, इस घटना के बाद से लोगों में गुस्सा है और सदर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं, दूसरी ओर इस घटना को लेकर जांच की मांग भी की जा रही है।

दोषी पाया गया तो मैं अपनी जान देने के लिए तैयार हूं... अश्लील कंटेंट वाले केस पर छलका राज कुंद्रा का दर्द, मैंने कुछ गलत नहीं किया

वर्ष 2021 राज कुंद्रा के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं था। उस समय वे राज कुंद्रा विवादों में आ गए थे जब उन पर मोबाइल एप्स के माध्यम से अश्लील सामग्री के प्रसार से जुड़े आरोप लगे। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया और करीब 63 दिनों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। हालांकि, राज कुंद्रा शुरू से ही खुद को निर्दोष बताते आए हैं और उनका कहना है कि उन्होंने कभी कोई गैरकानूनी काम नहीं किया।

मैं अपनी जान देने के लिए तैयार हूं: राज कुंद्रा ने हाल ही में काफी समय बाद अपने केस को लेकर बाय की। उन्होंने कहा यदि में दोषित साबित होता हूं तो मैं हर तरह की सजा पाने के लिए तैयार हूं। शुरू से वो एक ही बात कहते हैं यदि उनसे कोई गलती हुई है तो उन्हें सजा दी जाए या तो फिर इस केस को खत्म किया जाए। पिछले पांच सालों से यह केस चल रहा है और उन्हें पूरा भरोसा है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया। यदि अगर उनके खिलाफ कोई सबूत मिलता है तो वो अपनी जान देने के लिए तैयार हैं।

4000 लोग से छिन गया काम : इसके बाद राज कुंद्रा ने अपने उस समय वो याद किया जब उन्हें इस केस की वजह से अपने सारे बिजनेस बंद करने पड़े। उनकी गिरफ्तारी के बाद मैंने और शिल्पा ने फैसला किया कि हम सारे बिजनेस बंद कर देंगे। राज कुंद्रा ने बताया कि उनका निवेश कई बड़े कारोबारों में था, जिनमें राजस्थान रॉयल्स, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स, होम शॉपिंग सेंटर और उनके बेटे के नाम पर शुरू की गई टेक्नोलॉजी कंपनी विवान इंडस्ट्रीज शामिल थीं। उन्होंने कहा कि इन सभी व्यवसायों से लगभग 4,000 लोगों की आजीविका जुड़ी हुई थी और वे इन्हीं के जरिए अपना घर चला रहे थे।

राज ने कहा कि मुझे उस गलती की सजा मिली जो मैंने की ही नहीं थी। मुझे सिर्फ ब्यान देने के लिए बुलाया गया और वहीं से गिरफ्तार कर लिया गया।

63 दिन मेरी जिंदगी के सबसे डरावने दिन थे: राज कुंद्रा ने कम से कम 63 दिन जेल में बिताए थे और इन्ही दिनों को याद करते हुए उनका दुःख झलक पड़ा। उन्होंने कहा कि यह समय मेरे लिए जिंदगी के सबसे खतरनाक दिन थे। इतना ही नहीं जब वो रात को सोते थे तो उन्हें यह भी नहीं पता होता था कि वो अगली सुबह देख पाएंगे या नहीं। हालांकि, उनका मानना है कि उसी मुश्किल दौर ने उन्हें पहले से ज्यादा मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने वह समय नहीं देखा होता, तो शायद वह आज के राज कुंद्रा नहीं बन पाते और उन्हें यह भी समझ नहीं आता कि मुश्किल वक्त में कौन सच में उनका अपना है।

सोनाक्षी-जहीर की लव स्टोरी का सबसे पहले सलमान खान को लगा था पता

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल ने खुलासा किया है कि उनके रिश्ते को सबसे पहले अभिनेता सलमान खान ने पहचान लिया था, जबकि उस समय दोनों अपने प्यार को स्वीकार करने से बच रहे थे। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो डबल डेट के नए एपिसोड में सोनाक्षी और जहीर ने अपनी प्रेम कहानी से जुड़े कई दिलचस्प किस्से साझा किए।

दोनों ने बताया कि सलमान खान, जिन्होंने उनकी पहली मुलाकात करवाई थी, शुरू से ही समझ गए थे कि उनके बीच कुछ खास चल रहा है। जहीर ने कहा कि सलमान खान को हमने बताने से पहले ही सब पता चल गया था। उन्हें पहले ही समझ आ गया था कि हमारे बीच कुछ चल रहा है। वहीं सोनाक्षी ने हंसते हुए कहा कि हम दोनों के बीच साफ-साफ वाइब थी और सलमान इतने भी भोले नहीं हैं। उन्हें सब दिख रहा था। जब भी वो मुझसे पूछते थे, हम दोनों इनकार कर देते थे और कहते थे कि ऐसा कुछ नहीं है। एक दिन उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा आएगा जब तुम दोनों में झगड़ा होगा और दोनों मेरे पास रोने आओगे।

मैं तुम दोनों से प्यार करता हूं और किसी एक का पक्ष नहीं लेना चाहता। सोनाक्षी ने बताया कि उनके रिश्ते की पुष्टि तब हुई जब एक ट्रेकिंग ट्रिप के दौरान सलमान खान ने जहीर से केवल इतना कहा कि दिख रहा है सब। इसके बाद दोनों को एहसास हो गया कि उनकी केमिस्ट्री अब किसी से छिपी नहीं है। कार्यक्रम के दौरान सोनाक्षी और जहीर ने अपने रिश्ते के शुरूआती दिनों, प्रेम कहानी के यादगार पलों और शादी तक के सफर को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि किस तरह दोस्तों और करीबियों ने उनके रिश्ते को शुरू से ही महसूस कर लिया था, जबकि वे खुद इसे सार्वजनिक करने से बचते रहे।

रामायण ट्रेलर लांच से पहले बिगड़ी रणवीर कपूर की तबीयत, बेटी राहा से हुआ आई इन्फेक्शन

बॉलीवुड के जाने-माने स्टार रणबीर कपूर अपनी आने वाली फिल्म रामायण को लेकर काफी चर्चा में हैं। जल्द ही उनके फिल्म का ट्रेलर लांच होने वाला है। लेकिन इस लांच से पहले एक चिंताजनक खबर सामने आई है। खबरों के मुताबिक रणबीर कपूर इन दिनों आंखों के संक्रमण से परेशान से जूझ रहे हैं। आपको बता दें कि वो इन दिनों कंजंक्टिवाइटिस नाम के एक इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं। इसकी वजह से एक्टर को लालपन, सूजन, दर्द, पानी जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान वो इवेंट में काला चश्मा पहने नजर आ रहे हैं। सेहत खराब होने के बावजूद भी वो इस इवेंट में जरूर हिस्सा लेंगे।

आपको बता दें कि रणबीर कपूर को यह इन्फेक्शन उनकी बेटी राहा द्वारा हुआ है। एक जिम्मेदार पिता की तरह रणबीर कपूर अपनी बेटी राहा की देखभाल में पूरी तरह जुटे रहे। इसी दौरान उन्होंने भी कंजंक्टिवाइटिस संक्रमण हो गया। यह बीमारी बेहद संक्रामक होती है और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से तेजी से फैलती है। सूत्रों के मुताबिक, सबसे पहले राहा इस इन्फेक्शन की शिकार हुई अब रणबीर कपूर भी इसकी चपेट में आ गए हैं।

हालांकि, आंखों में संक्रमण होने के बावजूद रणबीर अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट से पीछे हटने वाली नहीं हैं। रामायण की टीम दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाले भव्य प्रथम संकल्प इवेंट की तैयारियां पूरी कर चुकी है। संक्रमण को ध्यान में रखते हुए रणबीर इस कार्यक्रम में काला चश्मा पहनकर शामिल होंगे, ताकि आवश्यक सावधानियां भी बरती जा सकें।

दिल्ली के भारत मंडपम में होगा भव्य ट्रेलर लॉन्च : नितेश तिवारी द्वारा बनाई गई इस फिल्म का बजट काफी बड़ा है। रामायण का पहला पार्ट दिवाली पर रिलीज होगा और दर्शक भी इसे देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। 24 जुलाई को दिल्ली के भारत मंडपम इस ट्रेलर को लांच किया जाएगा और इस इवेंट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बड़े मौके पर रणबीर कपूर के साथ-साथ निर्देशक नितेश तिवारी और निमार्ता नमित मल्होत्रा भी मौजूद रहेंगे। अभी तक इस बात की जानकारी नहीं है कि यश और सनी देओल इस इवेंट में शिरकत करेंगे या नहीं।

सबसे महंगी फिल्मों में से एक है रामायण : आपको बता दें यह फिल्म सबसे महंगी फिल्मों में से एक है। लगभग 4000 करोड़ द्वारा इस फिल्म को बनाया गया है। वहीं इसके संगीत को और भी भव्य ब्वनाने के लिए ए.आर. रहमान और ऑस्कर विजेता संगीतकार हैंस जिमर जैसे दिग्गज एक साथ काम कर रहे हैं।

इसके अलावा दिल्ली में होने वाला यह ट्रेलर लांच रामायण' के प्रमोशनल अभियान की सिर्फ शुरूआत होगी। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय लेवल तक इस फिल्म को लेकर ले जाया जाएगा। इस फिल्म के मेकर्स 23 जुलाई को अमेरिका में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में फिल्म की खास झलक पेश करेंगे।

जापान में गूंजेगी भारत की हुंकार, इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में दमखम दिखाएंगे 17 जांबाज

नेरवा: जापान के हिमेजी (ओसाका) में 15 से 25 जुलाई तक होने वाली 101वीं शिगोकान एनिवर्सरी व ऑल जापान इंटरनेशनल फ्रेंडशिप कराटे प्रतियोगिता में भारत का दमखम देखने को मिलेगा। इस वैश्विक महाकुंभ में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए शिगोकान गोजूरियू कराटे इंडिया की 17 सदस्यीय टीम पूरी तरह कमर कस चुकी है, जिसमें पांच लड़कियां और 12 लडके शामिल हैं। टीम मैनेजर सैनसाई पीएस पंवार ने बताया कि भारतीय चुनौती का नेतृत्व मुख्य कोच सैनसाई अनिल कुमार जिस्टा और सहायक कोच सैनसाई रेखा सिंह पंवार कर रहे है। इस दल की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसमें रूट्स कंट्री स्कूल बागी के सर्वाधिक 10 होनहार एथलीटों ने जगह बनाई है। टूनार्मेंट के लिए रवाना होने से पहले गुरुवार को पूरे भारतीय दल ने संस्था के अध्यक्ष दिनेश ठाकुर और तकनीकी निदेशक सैनसाई जय प्रकाश से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन किया।

भारत की ओर से पदक जीतने के पक्के इरादे के साथ आधिकारिक स्टाफ के साथ रियांश, अबीर, ध्रुव, अंश, मन्नत, अरध्यानश, ईशमीत, जैसमीन, अक्शित, आव्क्षी, ऊनीत, चमन, शार्वी और दिग्विजय सिंह जैसे कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी कला का हैरतअंगेज प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अनुपम खेर निभाएंगे दोस्ती का वादा, दिवंगत सतीश कोशिक की बेटी को कहा- तुम्हारा कन्यादान मैं करूंगा...जताया पिता-सा प्यार

टीवी इंडस्ट्री के जाने-माने कलाकार सतीश कौशिक अब इस दुनिया में नहीं रहे। हाल ही में उनकी बेटी ने 15 जुलाई को अपना जन्मदिन मनाया। 2023 में अभिनेता का निधन हुआ था, उसके बाद उनके परिवार को बहुत सी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस समय में अनुपम खेर ने उनके परिवार का बहुत साथ दिया। इतना ही नहीं उन्होंने हमेशा से ही सतीश की बेटी को अपनी बेटी माना है और अब उनकी बेटी के जन्मदिन पर अनुपम खेर ने बहुत ही भावुक पोस्ट शेयर की है।

अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट : अनुपम खेर ने अपने दिवंगत मित्र और अभिनेता सतीश कौशिक की बेटी वंशिका को उनके जन्मदिन पर बेहद भावुक अंदाज में शुभकामनाए दीं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वंशिका के दो प्यारे वीडियो शेयर किए और बहुत प्यारा नोट

लिखा। जिसमें लिखा था-

जन्मदिन मुबारक हो, मेरी प्यारी वंशिका बेटा। भगवान तुम्हें दुनिया की सारी खुशियाँ, एक लंबी, सेहतमंद और खूबसूरत ज़िंदगी दें, और तुम्हारे हर सपने को पूरा करने की हिम्मत दें।

तुम मेरी बच्ची हो। जब सतीश हमारे साथ थे, तब भी मैं तुम्हें हमेशा अपनी बेटी... और अपनी दोस्त ही मानता था। कुछ रिश्ते खून के नहीं होते; वे प्यार, भरोसे और अपनापन से बनते हैं। हमारा रिश्ता भी ऐसा ही है।

मुझे तुम्हारा कन्यादान करने का सौभाग्य भी मिले: कभी-कभी शब्दों में प्यार जताना मुश्किल होता है, लेकिन आज मैं चाहती हूँ कि तुम जानो कि मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ ! तुम्हारी रक्षा करने, तुम्हारा साथ देने, तुम्हारा हौसला बढ़ाने और हर मुश्किल घड़ी में तुम्हारे साथ खड़े रहने के लिए। और कौन जाने... एक दिन, कई सालों बाद, अगर तुम शादी करने का फैसला करती हो, तो शायद मुझे तुम्हारा कन्यादान करने का सौभाग्य भी मिले। वह दिन अभी दूर है, लेकिन यह सोचकर ही मेरा दिल प्यार से भर जाता है। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ, बेटा। तुम्हारा जन्मदिन सबसे अच्छा हो। और मुझे यकीन है कि तुम्हारे पापा और मेरे सबसे अच्छे दोस्त सतीश, ऊपर से मुस्कुरा रहे होंगे और आज तुम्हें ढेर सारा प्यार और अनगिनत आशीर्वाद भेज रहे होंगे। जन्मदिन मुबारक हो, मेरी प्यारी बच्ची। भगवान तुम्हारा भला करे।

2023 में हुआ था सतीश कौशिक का निधन : आपको बता दें कि वंशिका के पिता एक्टर सतीश कौशिक का निधन 2023 में हुआ था। दिल का दौरा पड़ने की वजह से 66 की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली।

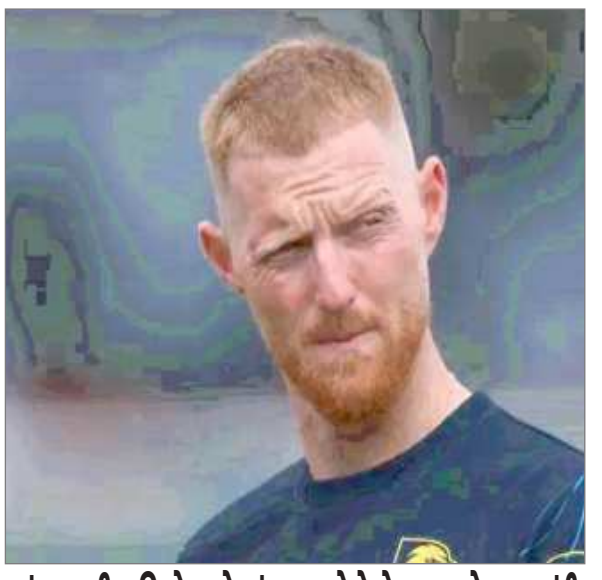

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद घरेलू काउंटी टीम डरहम के लिए मैदान में वापसी करेंगे बेन स्टोक्स

लंदन: अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद बेन स्टोक्स अपनी घरेलू काउंटी टीम डरहम के लिए मैदान में वापसी करेंगे। स्टोक्स 21 जुलाई से शुरू होने वाले घरेलू वनडे कप में डबीर्शायर के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगे। वह डरहम के लिए खेलेंगे और फिटनेस ठीक रहने पर 50 ओवर के मेट्रो बैंक कप और काउंटी चैंपियनशिप सीजन के बाकी सभी मैचों के लिए वह उपलब्ध रहेंगे।

उनकी शुरूआत अगले सप्ताह डबीर्शायर के खिलाफ होने वाले मैच से हो सकती है। डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा, वह अब एक संन्यास ले चुके टेस्ट सुपरस्टार हैं, लेकिन उन्होंने डरहम के क्रिकेटर के रूप में ड्यूटी ज्वाइन कर ली है।

इंग्लैंड ने भारत को हराया, सीरीज 1-1 से बराबर, जो रूट ने बनाए 99 रन

कार्डिफ : अनुभवी बल्लेबाज जो रूट (नाबाद 99) की शानदार पारी से इंग्लैंड ने भारत को दूसरे वनडे में गुरूवार को 35 गेंद शेष रहते चार विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली। भारत ने श्रेयस अय्यर (66) और विराट कोहली (65) के अर्धशतकों से 44 ओवर में 233 रन का स्कोर बनाया जबकि रूट की बेहतरीन पारी से इंग्लैंड ने 44.1 ओवर में छह विकेट पर 235 रन बनाकर सीरीज को बराबरी पर ला दिया। प्लेयर ऑफ द मैच बने रूट ने एक छोर संभालकर खेलते हुए 133 गेंदों की अपनी मैच विजयी पारी में नौ चौके लगाए। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा ने इंग्लैंड को शुरूआती झटका दे दिया था और फिर गुरनूर बराड़ ने भी इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। लेकिन इसके बाद जो रूट डट गए और पहले हैरी ब्रूक(16) के साथ उन्होंने साझेदारी की। इसके बाद सैम करन (26) और जोस बटलर (17) के साथ साझेदारी करते हुए

उन्होंने इंग्लैंड को मुकाबले में बनाए रखा। विल जैक्स (30) के साथ वह इंग्लैंड को जीत के करीब ले गए लेकिन जैक्स बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में कैच आउट हो गए। हालांकि रूट अंत तक डटे रहे और गस एटकिंसन (नाबाद 23) के साथ इंग्लैंड को जीत दिलाकर ही वापस लौटे।

एटकिंसन ने प्रसिद्ध कृष्णा की शॉर्ट गेंद को डीप स्क्वायर लेग की दिशा में पुल किया और बटोर लिया विजयी चौका, इसका मतलब है कि रूट 99 के स्कोर पर ही रहेंगे, बहरहाल इंग्लैंड ने सीरीज बराबर कर ली है। तीन मैचों की सीरीज अब 1-1 की बराबरी है जिसका फैसला अब 19 जुलाई को लॉर्ड्स में होगा। इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम के मध्यक्रम ने पूरी तरह से निराश किया। अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे के विकेट गुच्छों में गिरे। उससे पहले ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भारतीय टीम आसानी से 300 के स्कोर को पार कर सकती है। हालांकि जोफ्रा आर्चर, साकिब महमूद और गस एटकिंसन ने कमाल का काउंटर अटैक किया। कोहली के विकेट पतन के बाद सबसे बड़ी साझेदारी 20 रनों की हुई, जो श्रेयस और बुमराह के बीच हुई। परिणाम यह रहा कि भारतीय टीम एक सम्मानजनक स्कोर से भी थोड़ी सी दूर रह गई। श्रेयस ने 71 गेंदों पर 66 रन की पारी में पांच चौके और दो छक्के लगाए जबकि विराट कोहली ने 66 गेंदों पर 65 रन में आठ चौके लगाए। कप्तान शुभमन गिल ने 33 और ओपनर रोहित शर्मा ने 26 रन का योगदान दिया। जसप्रीत बुमराह ने 13 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाकर भारत को 233 तक पहुंचाया। यह मेन इन ब्लू की तरफ से सबसे भरोसेमंद बैटिंग नहीं थी। शुभमन गिल ने तेज शुरूआत दी, लेकिन रोहित शर्मा लय में नहीं दिखे और कुछ शुरूआती राहत मिलने के बावजूद इसका फायदा नहीं उठा पाए। विराट कोहली ने एक अच्छी हाफ सेंचुरी के साथ पारी को संभाला, जबकि श्रेयस अय्यर ने एक कीमती पारी खेलकर भारत को एक सम्मानजनक टोटल तक पहुंचाया। जसप्रीत बुमराह ने कुछ जरूरी रन जोड़े, जिससे भारत को आखिर में एक और धक्का मिला। इंग्लैंड की बॉलिंग पूरी टीम की परफॉर्मेंस थी।

न्यूज ब्रीफ

चुनिंदा लोगों पर ही न चले बुलडोजर, अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट की राज्य सरकारों को सख्त नसीहत

नई दिल्ली: बुलडोजर जस्टिस यानी बिना कानूनी प्रक्रिया के मकान गिराने की कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण हो रहे हैं। जब नगर निगम के अधिकारियों और अवैध कब्जाधारियों के बीच आपसी मिलीभगत से कानून के शासन को दबाया जा रहा हो, तो बुलडोजर का इस्तेमाल जरूरी हो सकता है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि बुलडोजर चुन-चुनकर नहीं चलना चाहिए। अगर सबने सरकारी जमीन पर कब्जा किया है और उनमें से कोई एक किसी अपराध का आरोपी बन जाता है और एक उदाहरण सेट करने के लिए सिर्फ उसी के परिवार की संपत्ति को ढहा दिया जाता है, तो इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। किसी आरोपी के परिवार को अकेले निशाना नहीं बनाया जा सकता।

कोर्ट में याचिकाएं दायर कर मांग की गई है कि अदालती आदेश के बावजूद तोडफोड़ करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए। याचिकाकर्ताओं ने बुलडोजर कार्रवाई को अदालत के आदेशों का घोर उल्लंघन बताया। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने सवाल उठाया कि इन मामलों की सुनवाई राज्यों के हाई कोर्ट क्यों नहीं कर सकते? याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील हुजैफा अहमदी ने कोर्ट में कहा कि राज्यों को ऐसा लगने लगा है कि अदालत चाहे जो भी कहे, वे जमीन पर वही करेंगे, जो वे चाहते हैं। इस पर चीफ जस्टिस ने बताया कि कोर्ट के पिछले आदेश में साफ कहा गया था कि ध्वस्तीकरण पर रोक का नियम सरकारी जमीन या सार्वजनिक सड़कों पर हुए अतिक्रमण पर लागू नहीं होगा। सीजेआई ने कहा कि जैसे ही राज्य हलफनामा दायर कर कहता है कि निर्माण अवैध था या अतिक्रमण था, तो फैसला सबूतों के आधार पर करना होगा।

बच्चों के अस्पताल पर अमेरिकी हमला, ईरान भडका, अमेरिकी ठिकाने बनाए निशाना, एमक्यू-9 संग दो ड्रोन मार गिराए

एजेंसियां/ वाशिंगटन/ तेहरान: अमेरिका ने ईरान में बच्चों के एक कैंसर के अस्पताल को निशाना बनाकर जंग की आग और भडका दी है। जानकारी के मुताबिक बुधवार रात को ईरान पर अमेरिका ने कई हमले किए। इन हमलों का निशाना ईरान का कैंसर हॉस्पिटल बना। स्थिति ऐसी रही कि कीमोथेरेपी करवा रहे 211 बच्चों को आनन-फानन में अस्पताल से भागना पड़ा। अमेरिकी हमलों से ईरान के शाहिद बकाई अस्पताल को भारी नुकसान पहुंचा है। हमलों के बीच अस्पताल में भर्ती बच्चों को एहतियातन अन्य चिकित्सा केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया। अमरीका ने रातभर ईरान पर नए सिरे से हवाई हमलों की बौछार की। वहीं ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी लगा दी गई है। अब ईरान आगबबूला हो उठा है और जवाब में खाड़ी देशों को निशाना बनाते हुए कसम खाई है कि जब तक अमेरिका अपने हमले बंद नहीं करता, वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद रखेगा। इधर ईरान ने अमेरिका के ताकतवर एमक्यू-9 ड्रोन को गिराने का दावा किया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने अमरीका के ताजा हमलों के जवाब में ऑपरेशन नस्र-2 के आठवें चरण के तहत कुवैत स्थित अमरीकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया तथा दो अमरीकी ड्रोन भी मार गिराए। आईआरजीसी ने दावा किया कि इस अभियान में कुवैत के अली अल-सलेम सैन्य अड्डे पर तैनात सी-रैम प्रारंभिक चेतावनी राडार प्रणाली को नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा उस स्थान को भी निशाना बनाया गया, जहां अमेरिकी सैनिक मौजूद थे। वहीं ईरान के केश्म द्वीप, बंदर अब्बास, सीरिक, चाबहार, कोनारक, रास्क शहर, खोंदाब और पश्चिमी शहर खुर्रमआबाद सहित कई इलाकों में भीषण धमाके सुने गए।

उपचुनाव से पहले आरजेडी को बड़ा झटका, मृत्युंजय तिवारी ने दिया इस्तीफा

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने गुरुवार को पार्टी छोड़ने की घोषणा करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी में "समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं के लिए कोई जगह नहीं बची है।" कई वर्षों से राजद का प्रमुख चेहरा रहे तिवारी ने देर शाम एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर मीडिया को अपने इस्तीफे की जानकारी दी। तिवारी ने कहा, "आज मैंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। मैंने पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना इस्तीफा सौंपा। मैंने उनसे कहा कि लगातार अपमान सहकर पार्टी में बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।" तिवारी सवर्ण समुदाय से आते हैं और मीडिया में मंडल आयोग समर्थक राजद का पक्ष रखते रहे हैं।

कांग्रेस परिसीमन विधेयक का करेगी विरोध, जयराम रमेश बोले, महंगाई पर भी सरकार को घेरेंगे

नई दिल्ली: कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र में परिसीमन विधेयक आने पर उसका विरोध करने के साथ ही चढ़ावा चोरी, पेपरलीक तथा मंहगाई समेत विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने का निर्णय लिया है। सत्र से पहले पार्टी के संसदीय रणनीतिक समूह की गुरुवार को यहां हुई अहम बैठक में सत्र के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक के बाद कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि सोमवार से मानसून सत्र शुरू हो रहा है, लेकिन सरकार ने अब तक सत्र में लाए जाने वाले विधेयकों की औपचारिक जानकारी नहीं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्र शुरू होने से एक पहले 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक होगी, जिसमें सरकार प्रस्तावित विधेयकों के बारे में जानकारी देगी। उन्होंने कहा कि

सरकार परिसीमन विधेयक और उससे जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को फिर से लाने का प्रयास कर सकती है, जिसका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी।

यदि सरकार मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर महिला आरक्षण लागू कर 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करती है, तो कांग्रेस उसका समर्थन करेगी, लेकिन महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन की कोशिश स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार संविधान की भावना के विपरीत दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रही है, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर अन्य विपक्षी दलों के साथ लगातार संपर्क में है और उसे विश्वास है कि सरकार आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा पाएगी। उनका कहना था कि यदि सरकार इसमें सफल भी होती है, तो वह कलंकित बहुमत होगा। श्री रमेश ने कहा कि कांग्रेस मानसून सत्र में अयोध्या राम मंदिर में ह्यचढ़ावा चोरीह्ल और आस्था के साथ धोखे, परीक्षा एवं शिक्षा प्रणाली विशेषकर नीट और अन्य पेपर लीक के मामलों, एथेनॉल 20 प्रतिशत मिश्रण (ई-20), कमजोर पड़ती विदेश नीति, कमरतोड़ महंगाई तथा अन्य जनसरोकार के विषयों पर सरकार को घेरेगी और इन पर चर्चा की मांग करेगी।

तिरुपति में एक दिन में 97 करोड़ दान, नई डोनर पॉलिसी लागू होने से पहले भक्तों ने खोला आस्था का खजाना

एजेंसियां/ तिरुपति: तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने आस्था और दान के क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया है। तिरुमला स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर में नई डोनर पॉलिसी लागू होने से ठीक पहले दान देने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर प्रशासन ने एक ही दिन में सबसे अधिक दान प्राप्त करने का रिकॉर्ड बनाया है। मंगलवार को दर्शन सुविधाओं में बदलाव की घोषणा के बाद दुनिया भर के 2,460 श्रद्धालुओं ने करीब 97 करोड़ रुपए का दान देकर नया कीर्तिमान स्थापित किया।

टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड ने मंगलवार देर रात से दानदाताओं को मिलने वाली कुछ विशेष दर्शन सुविधाओं में बदलाव लागू करने की घोषणा की थी। इसके

बाद श्रद्धालुओं में मौजूदा सुविधाओं को बनाए रखने के लिए समय सीमा से पहले दान करने की होड़ मच गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि जो भक्त निर्धारित समय सीमा से पहले अपना दान पूरा कर देंगे, उन्हें पहले की तरह विशेष सुविधाएं मिलती रहेंगी। टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू ने बताया कि ट्रस्ट ने एक ही दिन में दान की कुल राशि और दानदाताओं की संख्या, दोनों मामलों में नया रिकॉर्ड बनाया है। 2460 श्रद्धालुओं ने किया दान, दो ने दिए एक करोड़ः रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार को कुल 2,460 श्रद्धालुओं ने मंदिर को दान दिया। इनमें 1,212 लोगों ने 1 लाख से 10 लाख रुपए के बीच दान दिया, जबकि 1,246 श्रद्धालुओं ने 10 लाख से 25 लाख रुपए तक का दान किया। इसके अलावा दो भक्तों ने एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि अर्पित की।

कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के लंबित मुआवजे को 200 करोड़ और जारी

हिमाचल सरकार ने प्रभावितों का इंतजार किया खत्म

धर्मशाला: हिमाचल प्रदेश की बड़ी एवं महत्त्वाकांक्षी परियोजना कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की राह को आसान बनाते हुए प्रदेश सरकार ने प्रभावित परिवारों को एक और बड़ी राहत दी है। भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की प्रक्रिया को गति देने के लिए सरकार ने 200 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि जारी की है। यह नया फंड उन परिवारों के लिए एक बड़ी उम्मीद बनकर आया है, जिनके मुआवजे के मामले दस्तावेजों की कमी, आपत्तियों या आपसी विवादों के कारण अब तक अधर में लटके हुए थे। इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना के लिए प्रशासन लगातार काम कर रहा है। भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के तहत अब तक प्रभावित परिवारों को लगभग 2,148 करोड़ रुपए की भारी-भरकम मुआवजा राशि जारी की जा चुकी है। इसके साथ ही, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आरएंडआर) योजना के तहत भी 115 करोड़ रुपए का वितरण किया जा चुका है।

अब इस नई 200 करोड़ रुपए की ग्रांट के मिलने से प्रशासन उन फाइलों का तेजी से निपटारा कर सकेगा, जिनका भुगतान विभिन्न कारणों से रुका हुआ था। उधर, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक विनय धीमान का कहना है कि प्रदेश सरकार ने राशि जारी कर दी है। इस दिशा में आगामी प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह परियोजनाओं हर दिन अपने नए मुकाम को छूने का प्रयास कर रही है। कांगड़ा के उपायुक्त हेम राज बैरवा ने स्पष्ट किया है कि यह एयरपोर्ट विस्तार सरकार की सबसे महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, लेकिन इसमें प्रभावित होने वाले परिवारों के हितों को ही सबसे ऊपर रखा जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन परिवारों के भुगतान लंबित थे, उनके मामलों को चरणबद्ध तरीके से और पूरी तरह नियमों के तहत निपटाया जा रहा है। नई राशि जारी होने से पात्र परिवारों को जल्द ही उनका हक मिलेगा और उन्हें बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी।

पर्यटन और हवाई कनेक्टिविटी को लगेंगे पंखः कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार केवल कांगड़ा ही नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश की तस्वीर बदलने वाला है। इस परियोजना के पूरा होने से एयरपोर्ट की क्षमता में भारी वृद्धि होगी, जिससे राज्य में हवाई सेवाओं के विस्तार की संभावनाएं मजबूत होंगी। इससे न केवल देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी जबरदस्त बूम मिलेगा। फिलहाल, प्रशासन का पूरा ध्यान प्रभावित परिवारों के सुचारू पुनर्वास और परियोजना के अगले चरण को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने पर केंद्रित है।

अवैध बांग्लादेशी-रोहिंग्या नेटवर्क पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, पांच राज्यों में छापे, नकदी और सोना बरामद

नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को भारत में बसाने से जुड़े कथित नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में एक साथ छापेमारी की। एजेंसी का दावा है कि यह नेटवर्क विदेशों से प्राप्त धन का इस्तेमाल कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार कराने, अवैध घुसपैठियों को देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने और उनकी आजीविका की व्यवस्था करने में कर रहा था। जांच एजेंसी को इस नेटवर्क के तार आतंकी फंडिंग से जुड़े होने का भी संदेह है, जिसकी जांच जारी है।

ईडी के अनुसार, छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल के कलिकापुर स्थित हरोरा अल-जामियातुल इस्लामिया दारुल उलूम से 40 लाख रुपये नकद और 180 ग्राम सोने के सिक्के बरामद किए गए। धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उत्तर प्रदेश के सहारनपुर (देवबंद), दिल्ली के जामिया नगर, हरियाणा के बल्लभगढ़, पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और मुर्शिदाबाद तथा महाराष्ट्र के रायगढ़ सहित 13 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई की गई।

जांच के दौरान ईडी ने कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, एजेंसी ऐसे कथित गिरोह की जांच कर रही है, जो विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत कुछ ट्रस्टों और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से काम कर रहा था।

ईडी कुछ ट्रस्टों, स्वयंसेवी संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े वित्तीय लेन-देन की भी जांच कर रही है। एजेंसी को संदेह है कि कुछ संस्थाओं के जरिए छोटी-छोटी किस्तों में बड़ी रकम का लेन-देन किया गया। कई बैंक खातों और कथित रेंट अकाउंट के इस्तेमाल की भी जांच की जा रही है। यह कार्रवाई वर्ष 2024 में दर्ज उस मामले पर आधारित है, जिसे उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ता (यूपी एटीएस) ने दर्ज किया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि एक संगठित गिरोह रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश दिलाने, उनके लिए आधार, पैन और पासपोर्ट जैसे फर्जी पहचान दस्तावेज तैयार कराने तथा उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने में मदद कर रहा था। ईडी के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि संदिग्धों को भारत में बसाने के लिए 6 हजार, 8 हजार और 10 हजार रुपये जैसी छोटी-छोटी किस्तों में धनराशि भेजी गई। एजेंसी का कहना है कि विदेशी चंदे, बैंक खातों, बिचौलियों और जटिल वित्तीय लेन-देन के जरिए धन के प्रवाह की विस्तृत जांच की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में एसओजी जवानों से राइफल छीनने की कोशिश, युवक की मौत, 3 पुलिसकर्मी घायल

डोडा : जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के जवानों से सर्विस राइफल छीनने की कथित कोशिश के दौरान हुई फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन एसओजी जवान घायल हो गए। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना के संबंध में एक धार्मिक उपदेशक को हिरासत में लिया गया है। हालांकि, उसका इस मामले से क्या संबंध है, इसकी जांच की जा रही है और अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

जानकारी के मुताबिक, गुरुवार देर रात एसओजी की एक टीम को ऊंचाई वाले क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम भद्रवाह शहर से करीब 35 किलोमीटर दूर जाई-गंडोह मार्ग पर घात लगाकर निगरानी कर रही थी।

रात करीब 11:30 बजे एसओजी जवानों ने एक युवक

को रोकने का प्रयास किया। पुलिस का आरोप है कि युवक ने जवानों पर हमला कर उनकी सर्विस राइफल छीनने की कोशिश की। धक्का-मुक्की के दौरान एक जवान की गोली चल गई, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान तीन एसओजी जवान भी घायल हुए।घायलों को पहले भद्रवाह के उप-जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज, डोडा रेफर किया गया। अधिकारियों के अनुसार, घायल युवक की पहचान चीका गांव निवासी 30 वर्षीय आरिफ हुसैन के रूप में हुई, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

प्रधानमंत्री मोदी के ग्रीन मोबिलिटी विजन को दर्शाती है स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेनः पीयूष गोयल

नई दिल्ली : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन संचालित ट्रेन के शुभारंभ को देश की हरित परिवहन (ग्रीन मोबिलिटी) यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वच्छ, टिकाऊ और आत्मनिर्भर परिवहन व्यवस्था की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों को दर्शाती है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, भारत के ग्रीन मोबिलिटी भविष्य के लिए सचमुच एक ऐतिहासिक क्षण। आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद-सोनीपत रूट पर भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन-संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। 1200 किलोवाट के हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रोपल्शन सिस्टम से चलने वाली और सिर्फ पानी की भाप छोड़ने वाली यह 10-कोच वाली इंजीनियरिंग की अद्भुत मिसाल है। यह आत्मनिर्भर भारत और एक साफ-सुथरे, हरे-भरे भविष्य की दिशा में एक बहुत बड़ा

कदम है।

उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री मोदी के इनोवेशन-आधारित, नेट-जीरो ग्रोथ के विजन से प्रेरित और जींद में विकसित स्वदेशी हाइड्रोजन स्टोरेज व रीफ्यूलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से भारत गर्व के साथ उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो टिकाऊ रेल परिवहन के क्षेत्र में नई पहल कर रहे हैं और क्लीन मोबिलिटी में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू में नॉर्दर्न रेलवे के 89 किलोमीटर लंबे जींद-सोनीपत सेक्शन पर चलेगी। यह भारत में ही डिजाइन, इंजीनियरिंग और एकीकृत की गई है। इसे स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके बनाया गया, जो उन्नत रेलवे इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को दशार्ती है। इसके साथ ही, भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा जिनके पास हाइड्रोजन-चालित ट्रेनें परिचालन में हैं।

इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार व आठ ट्रेलर कोच हैं, और हर पावर कार 1,200 किलोवाट बिजली पैदा करती है। लगभग 2,600 यात्रियों को ले जाने के लिए डिजाइन की गई यह ट्रेन अधिकतम 110 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती है, जो इसे दुनिया भर में विकसित सबसे बड़ी हाइड्रोजन-संचालित पैसेंजर ट्रेनसेट में से एक बनाती है।

ऑपरेशन में मदद के लिए भारतीय रेलवे ने जींद में देश का पहला इंटीग्रेटेड रेलवे हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाया है, जहां इलेक्ट्रोलिसिस के जरिए हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है, स्टोरेज के लिए उसे कंप्रेस किया जाता है और खास रीफ्यूलिंग प्रणाली के जरिए सप्लाई किया जाता है।

इस प्रोजेक्ट में कई सुरक्षा सिस्टम लगाए गए हैं, जिनमें हाइड्रोजन लीक डिटेक्टर, फ्लेम, हीट और स्मोक सेंसर, लगातार वेंटिलेशन और स्वचालित शटडाउन प्रणाली शामिल हैं। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह प्रणाली पेट्रोलियम व विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के मानकों और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा नियमों का पालन करती है।

न्यूज IN ब्रीफ

चेतमा गांव में संदिग्ध हालात में मिला 45 वर्षीय व्यक्ति का शव

मेदिनीनगर : पाटन थाना क्षेत्र के चेतमा गांव में शुक्रवार सुबह 45 वर्षीय संतोष भुइयां का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके घर से बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मुन्नू भुइयां के पुत्र संतोष भुइयां के रूप में हुई है।

सूचना मिलते ही किशनपुर पिकेट प्रभारी चंद्रशेखर कुमार यादव मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच में जुटी है।

ग्रामीणों के अनुसार संतोष का अपनी पत्नी से अक्सर विवाद होता था। गांव में हत्या की आशंका को लेकर तरह-तरह की चचाएं हैं, हालांकि पुलिस ने किसी भी संभावना की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोहरदगा के उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम विकास कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं

बिनय मिश्रा : झारखंड प्रशासनिक सेवा के तेज तर्रार और कर्मठ तथा लोकप्रिय अधिकारी के रूप में पहचाने जाने वाले लोहरदगा के उप विकास आयुक्त राजमहेश्वरम अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यो के लिए पूरे राज्य में पहचाने जाते हैं श्री महेश्वरम की यह विशेषता है कि वह जहां भी पदस्थापित रहे अपने बेहतर कार्यों से पदस्थापित स्थल को विकास कार्यों से भरपूर गति दी।

श्री महेश्वरम के लोहरदगा जिला में उप विकास आयुक्त के रूप में योगदान देने के पश्चात से विकास कार्य में काफी तेजी आई है उनका स्पष्ट मानना है कि जिला के अंतिम व्यक्ति तक विकास कार्यों को पहुंचाना और विकास कार्यों को धरातल पर उतारना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है श्री महेश्वरम इससे पूर्व धनबाद लोहरदगा और गढ़वा के लोकप्रिय अनुमंडल पदाधिकारी रह चुके हैं लोहरदगा में उप विकास आयुक्त के रूप में उनकी पहली पद स्थापना है हालांकि इससे पूर्व लोहरदगा के लोकप्रियअनुमंडल पदाधिकारी रह चुके हैं जिसके फल स्वरूप उन्हें इस जिला के भौगोलिक और पूरे क्षेत्र का भली भांति जानकारी है और इसका लाभ लोहरदगा जिला को निश्चित तौर पर मिल रहा है ऐसे अधिकारी और उप विकास संयुक्त से निश्चित तौर पर जिला और राज्य गौरवान्वित होते हैं।

हावड़ा स्टेशन पर लाइन ब्लॉक से टाटा की ट्रेनों का परिचालन 26 को होगा प्रभावित

जमशेदपुर : हावड़ा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 24 पर परिचालन सिस्टम अपग्रेड करने के कारण 26 जुलाई को टाटानगर से अप डाउन करने वाली ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित होगा। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से जारी लाइन ब्लॉक आदेश के अनुसार हावड़ा से 26 जुलाई को खड़गपुर मिदनापुर एवं अन्य मार्ग की लोकल ट्रेनों को रद्द करने के साथ ही टाटानगर की कई ट्रेनों को संतरागाछी और शालीमार स्टेशन से ही अपडाउन कराया जाएगा। रेलवे के ट्रेन परिचालन सिस्टम में बदलाव से यात्रियों को आवागमन में दिक्कत होगी और सड़क मार्ग का भी सहारा लेना पड़ेगा।

आईआरसीटीसी दुगार्पूजा में छह रूटों पर चलाएगा पर्यटक ट्रेनें

धनबाद : आईआरसीटीसी श्रद्धालुओं के लिए छह नए स्पेशल टूर पैकेजों की शुरूआत करने जा रहा है। आईआरसीटीसी कोलकाता के अतिरिक्त महाप्रबंधक योगेंद्र सिंह गुर्जर और निखिल प्रसाद ने बताया कि आईआरसीटीसी ट्यूरिज्म की वेबसाइट के अलावा धनबाद, कोलकाता, पटना, रांची और आसनसोल के अलावा भागलपुर में स्थित कॉरपोरेशन के कार्यालयों से भी इन पैकेज ट्रेनों की बुकिंग कराई जा सकेगी।

आईआरसीटीसी के नए स्पेशल टूर पैकेजों में वाइल्डलाइफ और हेरिटेज रेल टूर आठ रातें और दिन का पैकेज शामिल है। हर शनिवार को यह पैकेज ट्रेन कान्हा, जबलपुर, खजुराहो, बांधवगढ़, अमरकंटक जाएगी। इसके लिए 30 हजार 700 रुपए देने होंगे। इसी तरह हर शनिवार को ही ज्योतिर्लिंग के साथ शिरडी रेल टूर पैकेज में शिर्डी साईं बाबा, शनि शिंगणापुर, घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और एलोरा गुफाएं₹ घूमने के लिए 28 हजार 400 रुपए प्रति यात्री देने होंगे।

सात रातें और आठ दिन के लिए कालिम्पोंग, गंगटोक, दार्जिलिंग₹ घुमने के लिए 29 हजार 650 रुपए, तथा कामाख्या, काजीरंगा, शिलांग, चेरापूंजी, जोवाई₹ घुमने के लिए 30 हजार 700 रुपए और उज्जैन के महाकालेश्वर एवं ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग और इंदौर₹ का पैकेज 15 हजार 850 रुपए में तय किया गया है। साथ ही प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी का भी पैकेज 19 हजार रुपए में लिया जा सकता है।

नशे का विरोध करने पर वकील को मिली धमकी, एफआईआर

धनबाद : बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में पड़ोस में नशाखोरी का विरोध करने पर झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता और उनके परिवार को कथित तौर पर धमकाया जा रहा है। भुक्तभोगी वकील ने इस संबंध में बैंक मोड़ थाना में लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बैंक मोड़ लक्ष्मी पेट्रोल पंप के सामने आयशा नर्सिंग होम वाली गली में रहनेवाले अधिवक्ता सौरभ ने पुलिस को दिए शिकायत में आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाले हर्ष नारायण साव उर्फ सोनू और उसकी मां बिंदु देवी आए दिन बाहरी और संदिग्ध युवकों को बुलाकर गली में गांजा और शराब का सेवन करवाते हैं, जिससे पूरे मोहल्ले में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। 15 जुलाई को अधिवक्ता के घर के नीचे हर्ष नारायण साव अपने चार-पांच अन्य साथियों के साथ खुलेआम गांजा पी रहा था। जब अधिवक्ता ने उनकी गतिविधि का विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज, हाथापाई और मारपीट शुरू कर दी।

बूंदाबांदी ने और बढ़ा दी उमस, छूटे पसीने

धनबाद : धनबाद जिले में गुरुवार को मौसम का मिजाज मिला-जुला रहा। सुबह से लेकर देर शाम तक तेज धूप खिली रही, जिससे तापमान और उमस दोनों में बढ़ोतरी हुई। दिनभर गर्मी से लोग परेशान रहे। दोपहर के समय सड़कों पर निकलने वाले लोगों को चिलचिलाती धूप और उमस का सामना करना पड़ा। शाम के समय मौसम ने हल्का बदलाव दिखा और शहर के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी हुई। हालांकि बारिश बहुत कम होने के कारण लोगों को गर्मी से खास राहत नहीं मिल सकी। बूंदाबांदी के बाद नमी बढ़ने से उमस और अधिक महसूस हुई। गुरुवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। 20 जुलाई के बीच आसमान में बादल छाए रहेंगे। साथ ही एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

एसआईआर के तहत 2 लाख गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण, शेष मतदाता अगले 2-3 दिनों के भीतर भरकर जमा करें गणना प्रपत्र : उपायुक्त

5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में नाम शामिल कराने हेतु समय पर प्रपत्र जमा करना आवश्यक

बिनय मिश्रा

लोहरदगा : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार राज्यभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (रस्त्रीूं' क्ल्ल३ील्ल२५ी फी५२ङ्ढल्ल-रक्क) का कार्य संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में लोहरदगा जिले के 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में भी घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र (एल्ल४ी१ं३ङ्गल्ल ऋङ्ग१) उपलब्ध कराने का कार्य शत-प्रतिशत सम्पन्न हो चुका है जबकि उनसे भरे हुए प्रपत्र प्राप्त करने तथा उनके डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने जानकारी दी कि 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में कुल लगभग 2.93 लाख मतदाता हैं। इनमें से अब तक लगभग 2 लाख मतदाताओं के भरे हुए गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह जिले के निर्वाचन कार्य में लगे बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर तथा अन्य पदाधिकारियों के सतत प्रयासों का परिणाम है।

उपायुक्त ने जिले के शेष पात्र मतदाताओं से पुनः अपील करते हुए कहा है कि जिन मतदाताओं ने गणना प्रपत्र प्राप्त तो कर लिया है, लेकिन अब तक उसका भरा हुआ प्रपत्र संबंधित बीएलओ को वापस नहीं सौंपा है, वे अगले 2 से 3 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से अपना गणना प्रपत्र भरकर अपने बीएलओ के पास जमा कर दें। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य अब अंतिम चरण में है और समय पर गणना प्रपत्र जमा करना अत्यंत आवश्यक है।

उपायुक्त ने बताया कि 5 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन

किया जाना है। ऐसे में सभी पात्र मतदाता इस कार्य को प्राथमिकता दें तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर अपने गणना प्रपत्र को भरकर जमा करना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने यह भी कहा कि गणना प्रपत्र भरने में यदि किसी प्रकार की समस्या या तकनीकी कठिनाई आती है, तो संबंधित मतदाता अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त बीएलओ सुपरवाइजर, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (अएफड), निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी (एफड), उप निर्वाचन पदाधिकारी अथवा पीडी आईटीडीए-सह-वरीय पदाधिकारी (निर्वाचन), लोहरदगा से भी संपर्क कर आवश्यक सहायता प्राप्त की जा सकती है।जिला प्रशासन ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा अपने परिवार एवं आसपास के अन्य मतदाताओं को भी गणना प्रपत्र भरकर समय पर जमा करने के लिए प्रेरित करें, ताकि जिले के प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जा सके।

अमेरिकी मार्किंग वाली पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, तीन जिंदा कारतूस भी जब्त

संवाददाता

धनबाद : पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में एक युवक को अवैध पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस का दावा है कि आरोपी अपने साथी के साथ किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में था। हालांकि, कार्रवाई के दौरान उसका एक साथी अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया। पूरे मामले की जानकारी डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर प्रकाश सोय ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि 15 जुलाई की शाम करीब 7:30 बजे सूचना मिली थी कि हीरक रोड स्थित आठ लेन सड़क के पास भुचुंगटांड़ के एक बंद मकान के समीप दो संदिग्ध युवक आपराधिक साजिश रच रहे हैं। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया और मौके पर छापेमारी की गई। पुलिस टीम को देखते ही दोनों युवक भागने लगे। इसी दौरान एक युवक गिर पड़ा, जिसे पुलिस ने मौके पर ही पकड़ लिया। उसकी पहचान मोनू कुमार यादव के रूप में हुई। वहीं दूसरा आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

गिरफ्तार आरोपी की तलाशी लेने पर उसकी कमर से एक अवैध लोडेड पिस्टल बरामद हुई। मैगजीन में ङ्र 7.65 बोर के तीन जिंदा कारतूस भी मिले। बरामद हथियार पर ₹टअऊ, क्ठ वरअ₹ अंकित है।

आरोपी हथियार से संबंधित कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में उसने फरार साथी की पहचान ईस्ट बसुरिया निवासी चिरकुट संजय के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, मोनू कुमार यादव पहले भी वर्ष 2025 में आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है।

इस मामले में भूली ओपी में कांड संख्या 113/26 दर्ज कर आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। फरार आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

धान बीज वितरण का 80 प्रतिशत लक्ष्य पूरा

संवाददाता

धनबाद : जिले में धान बीज वितरण का 80 प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। विभाग ने 1080 क्विंटल धान बीज वितरण के लक्ष्य के मुकाबले 864 क्विंटल बीज किसानों तक पहुंचा दिया है। शेष 216 क्विंटल बीज का वितरण भी जल्द करने का दावा किया गया है। जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से झारखंड सरकार सामान्य और हाइब्रिड धान बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न पैक्सों से किसानों तक बीज पहुंचाया जा रहा है।

कृषि विभाग के मुताबिक सभी प्रखंडों में बीज वितरण लगातार जारी है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पात्र किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराया जाए। विभाग ने किसानों से मानसून की अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए धान की बुआई में तेजी लाने की अपील की है ताकि समय पर फसल तैयार हो और बेहतर उत्पादन मिल सके।

बीज नहीं मिलने की शिकायतविभाग के दावों के बीच कुछ किसानों ने बीज नहीं मिलने की शिकायत भी की है। टुंडी प्रखंड की राजाभीठा पंचायत के करमाटांड़ निवासी किसान ताजुद्दीन अंसारी ने बताया कि कई बार गुहार लगाने के बावजूद उन्हें धान का बीज नहीं मिल सका। उन्होंने यह भी कहा कि धान के साथ-साथ अरहर और अन्य दलहनी फसलों के बीज की उनकी मांग भी अब तक पूरी नहीं हुई है।

आउटसोर्सिंग का काम करनेवाले की साजिश करते शूटर गिरफ्तार

संवाददाता

धनबाद : आउटसोर्सिंग के कार्य से जुड़े राजेश यादव की हत्या की साजिश रची गई थी। पुलिस ने हत्या की फिराक में लगे शूटर पुटकी करकेंद खटाल निवासी मोनू कुमार यादव को विदेशी पिस्टल और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। गुरुवार को उसे जेल भेज दिया गया। उसने बताया कि वह ईस्ट बसुरिया निवासी चिरकुट संजय के साथ मिलकर राजेश यादव की हत्या की योजना बना रहा था। मौके से फरार संजय की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर प्रकाश सोय ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए मोनू की गिरफ्तारी की जानकारी दी। डीएसपी ने बताया कि पुलिस को 15 जुलाई की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि हीरक रोड आठ लेन सड़क के पास घुंघूटांड़ स्थित एक सुनसान जगह पर एक पुराने बंद मकान के पास दो अपराधी हथियार के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही एसएसपी प्रभात कुमार ने विशेष छापेमारी दल का गठन किया। टीम ने उस जगह पर दबिश दी। भागने के दौरान मोनू गिर गया और उसे पुलिस ने पकड़ लिया। उसकी जींस पैंट की बाईं तरफ कमर में खोंसा हुआ एक लोडेड पिस्टल बरामद हुआ। हथियार की जांच करने पर मैगजीन से तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। बरामद पिस्टल पर मेड इन यूएसए लिखा हुआ है। मोनू यादव का आपराधिक इतिहास है। वह वर्ष 2025 में पुटकी थाना में आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है। छापेमारी टीम एसआई सोहन कुमार साहू, महिला एसआई जोसफिना हेम्ब्रम, एएसआई हरि प्रकाश मिश्रा, आरक्षी संटु मांझी, संतोष कुमार और दीपक कुमार आदि शामिल थे। पुलिस जांच में पता चला कि आउटसोर्सिंग कंपनी की लाइजनिंग के दौरान राजेश यादव का दूसरे गुट से विवाद हो गया। पूर्व में सभी एक साथ काम करते थे, लेकिन कुछ महीनों से बसुरिया यादव बस्ती निवासी राजू यादव और नीतीश यादव तथा गोंदूडीह ग्वाला बस्ती निवासी नुनू यादव से राजेश यादव का विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर आरोपियों ने मिल कर राजेश की हत्या की योजना बनाई। तीनों ने पांच-छह दिन पहले मोनू को एक पिस्टल और गोलियां दीं। वही पिस्टल लेकर मोनू और ईस्ट बसुरिया का चिरकुट संजय मिल कर हत्या की प्लानिंग कर रहे थे, इसी बीच वहां पुलिस पहुंची और मोनू को दबोच लिया। अंधेरे का फायदा उठा कर संजय भाग गया।

पलामू से लापता महिला भोपाल से बरामद पति ने अपहरण का लगाया था आरोप

पलामू : एक महिला के अपहरण से जुड़े केस के अनुसंधान में पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। पलामू के उंटारी रोड थाना क्षेत्र से 2019 में एक महिला लापता हो गई थी। महिला के पति प्रकाश के आवेदन के आधार पर गांव के तीन लोगों पर अपहरण का केस दर्ज हुआ था। 2026 में महिला को मध्यप्रदेश के भोपाल से बरामद किया गया है।

महिला के अपहरण से जुड़े हुए मुकदमे में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। महिला ने पुलिस को बताया है कि उसके पति ने चार शादियां की हैं। दो पत्नी बिहार के इलाके में रहती हैं। वह अपने पति के साथ नहीं रहना चाहती और अकेले बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं।

दरअसल, मुकदमा दर्ज होने के बाद महिला को बरामद करना

पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई थी। पुलिस को महिला के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही थी और पति ने जिन लोगों पर अपहरण का आरोप लगाया था वे लोग गांव में ही सामान्य जीवन जी रहे थे। बिश्रामपुर एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल के नेतृत्व में महिला के अपहरण के मामले में एक स्पेशल टीम गठित की गई थी। पुलिस ने पूरे मामले में कई तकनीकी बिंदुओं पर अनुसंधान किया और इसी क्रम में पुलिस को जानकारी मिली कि महिला भोपाल के बेरखेड़ी के इलाके में रह रही है। इसी सूचना के आलोक पलामू पुलिस भोपाल पहुंची थी और महिला को बरामद किया है। महिला ने पुलिस को लिखित में बयान दिया है कि शराब के नशे में पति उसके साथ अक्सर मारपीट करता था। घटना के दिन भी उसके साथ मारपीट की गई थी। मारपीट के बाद वह बैंगन के खेत के छुप गई थी। सुबह वह ट्रेन पकड़ कर भोपाल भाग गई थी। उसके पति ने चार शादियां की हैं। एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल ने बताया कि महिला को भोपाल से बरामद किया गया है।

1857 का पलामू विद्रोह : नीलाम्बर-पीताम्बर का अदम्य संघर्ष

हृदयानंद मिश्र

इतिहास केवल विजेताओं का नहीं होता, बल्कि उन लोगों का भी होता है जिन्होंने अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस किया। पलामू के नीलाम्बर और पीताम्बर ऐसे ही अमर योद्धा थे।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की चर्चा जब भी होती है, सामान्यतः मेरठ, दिल्ली, कानपुर, झाँसी और लखनऊ का उल्लेख प्रमुखता से किया जाता है। किंतु 1857 की क्रांति केवल उत्तर भारत के कुछ नगरों तक सीमित नहीं थी। इसका स्वर छोटानागपुर, संथाल परगना और पलामू के घने जंगलों तथा दुर्गम पहाड़ियों तक भी पहुँचा। पलामू की धरती पर इस विद्रोह का नेतृत्व खरवार समुदाय के दो वीर भाइयों—नीलाम्बर और पीताम्बर—ने किया, जिन्होंने अंग्रेजी साम्राज्य को चुनौती देते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

आज आवश्यकता है कि नीलाम्बरझ्पीताम्बर को केवल क्षेत्रीय नायक के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रदूतों के रूप में देखा जाए। उनका संघर्ष केवल सत्ता परिवर्तन का प्रयास नहीं था; वह जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और आत्मनिर्णय के अधिकार की लड़ाई भी था।

पलामू की राजनीतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि

उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य का पलामू राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक शोषण और औपनिवेशिक दमन से जूझ रहा था। ईस्ट इंडिया कंपनी ने यहाँ की पारंपरिक प्रशासनिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया था। अत्यधिक लगान, वन संसाधनों पर नियंत्रण, स्थानीय जमींदारों और किसानों पर कठोर नीतियाँ तथा आदिवासी समाज के पारंपरिक अधिकारों में हस्तक्षेप ने व्यापक असंतोष को जन्म दिया।

खरवार, चेरो, उरांव और अन्य समुदायों का जीवन जंगलों और कृषि पर आधारित था। अंग्रेजी शासन की नीतियों ने उनकी आजीविका और सामाजिक संरचना पर गहरा प्रभाव डाला। परिणामस्वरूप पलामू में विद्रोह की परिस्थितियाँ धीरे-धीरे परिपक्व होती गईं।

नीलाम्बर और पीताम्बर : व्यक्तित्व और प्रारंभिक जीवन

नीलाम्बर और पीताम्बर खरवार समुदाय के साहसी, दूरदर्शी और प्रभावशाली नेतृत्वकर्ता थे। उन्होंने स्थानीय समाज की पीड़ा को निकट से देखा और समझा। उनमें संगठन क्षमता, युद्धक कौशल और जनविश्वास का अद्भुत संगम था। यही कारण था कि 1857 के विद्रोह के दौरान विभिन्न गाँवों और समुदायों के लोग उनके नेतृत्व में संगठित हुए।

उनकी सबसे बड़ी शक्ति केवल हथियार नहीं, बल्कि जनता का विश्वास था। उन्होंने पलामू के ग्रामीण और आदिवासी समाज को यह विश्वास दिलाया कि विदेशी शासन का प्रतिरोध केवल संभव ही नहीं, बल्कि आवश्यक भी है।

1857 की क्रांति और पलामू में विद्रोह

1857 में मेरठ से प्रारंभ हुई सैनिक क्रांति की खबर जब पलामू पहुँची, तब नीलाम्बरझ पीताम्बर ने इसे स्थानीय असंतोष से जोड़ते हुए व्यापक जनविद्रोह का स्वरूप दिया। उन्होंने अपने साथियों को संगठित किया, अंग्रेजी शासन के समर्थक ठिकानों को चुनौती दी और पलामू क्षेत्र में औपनिवेशिक सत्ता को गंभीर चुनौती दी।

यह विद्रोह केवल सैन्य कार्रवाई नहीं था। इसमें किसानों, ग्रामीणों और आदिवासी समुदायों की सक्रिय भागीदारी थी। यही कारण है कि अंग्रेजी प्रशासन ने इसे अत्यंत गंभीर खतरे के रूप में देखा।

विद्रोह का ऐतिहासिक महत्व

नीलाम्बरझ्पीताम्बर का संघर्ष यह सिद्ध करता है कि भारत का स्वतंत्रता आंदोलन किसी एक वर्ग, जाति या क्षेत्र तक सीमित नहीं था। पलामू का यह विद्रोह राष्ट्रीय चेतना का प्रारंभिक स्वर था, जिसने आगे चलकर स्वतंत्रता संग्राम की व्यापक धारा को शक्ति प्रदान की।

उनका बलिदान केवल पलामू की धरोहर नहीं, बल्कि पूरे भारत की राष्ट्रीय विरासत है। दुर्भाग्य से मुख्यधारा के इतिहास लेखन में उनके योगदान को वह स्थान नहीं मिला, जिसके वे अधिकारी थे। आज आवश्यकता है कि उनके संघर्ष पर नए सिरे से शोध हो, अभिलेखों का पुनर्पाठ किया जाए और उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी क्रांतिकारियों में उचित सम्मान के साथ स्थापित किया जाए।